Pushpitagra

2022-23

Azadi Ka Amrit Mahotsav

Utkrisht Mahavidyalya

Govt. Degree College Theog

Distt. Shimla, Himachal Pradesh

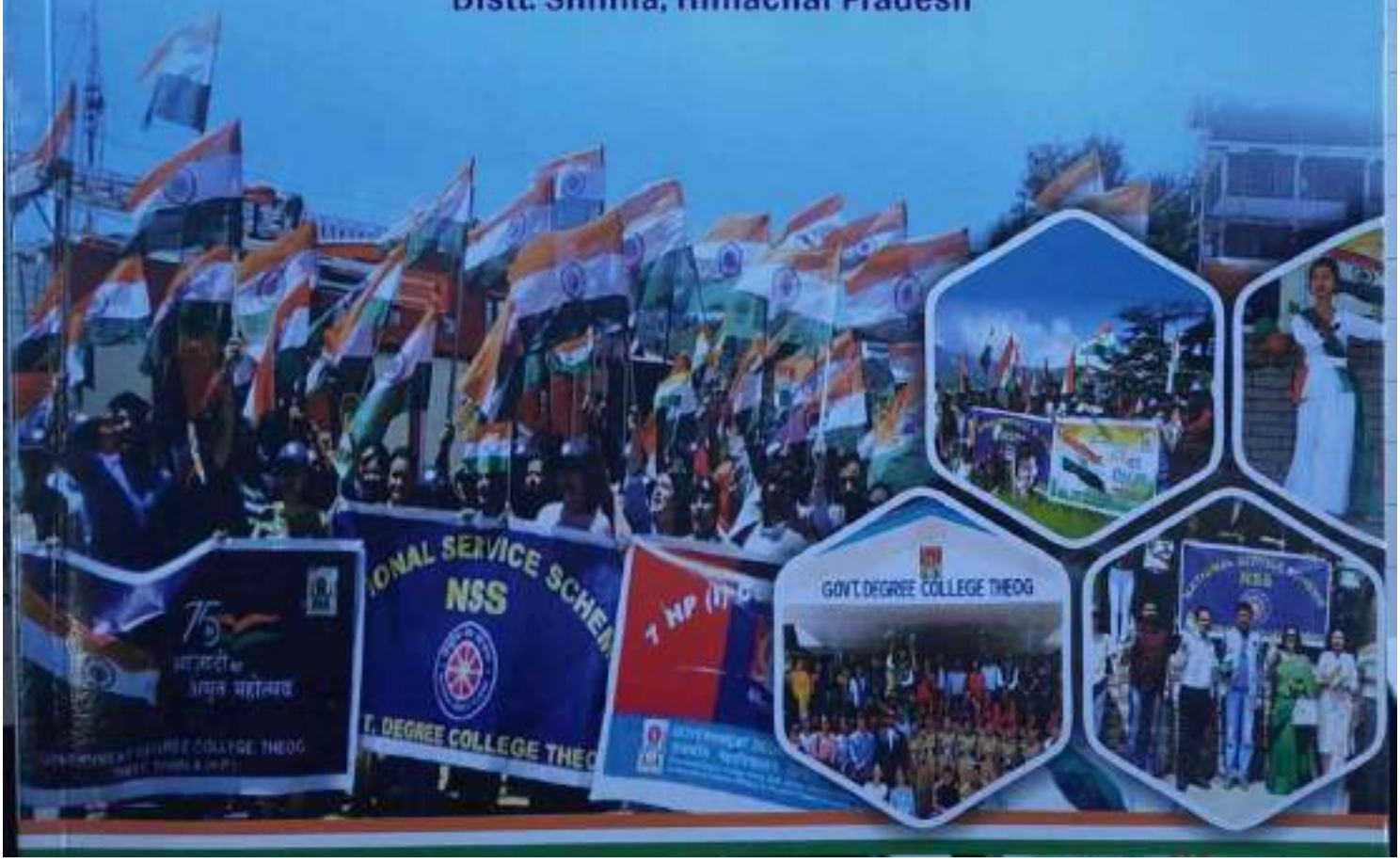


THE EDITORIAL BOARD

Dr. Amarjeet K. Sharma
Director of Higher Education



MESSAGE

MESSAGE

It is matter of immense delight for me to know that your college is going to publish the college magazine.

College Magazine is a very useful medium for young minds to express their bristling ideas and thoughts. It gives a chance to students, the budding writers, to get the attention of others through their creative and contemporary writings. It is an essential ingredient of college regular activities and documentation of such events. The true purpose of higher education is to open the horizons for the curious young minds and to refine and polish them in such a way that they become responsible citizens of our country.

I wish your college a great future and grand success to the college Magazine. I also congratulate the Editor(s) of the magazine and wish everyone all the best in their venture.

Jai hind

(Dr. Amarjeet K. Sharma)



From the Principal's Desk

It gives me immense pleasure to learn that the latest issue of our magazine *"Pushpitagra"* shall be out soon. It is an excellent platform for the students to share the churnings of their fertile and creative mind. Albert Einstein has rightly said, *"Creativity is seeing what others see and thinking what no one else ever thought."* Therefore, our college magazine provides a canvas to students, especially ones who primarily come from the countryside and seldom get such mediums to express their creative genius. The expression of one's originality and imagination has become all the more relevant and indispensable in the present times when the human race is being threatened by the advent of Artificial Intelligence chat bots like Chat-GPT which are being used widely even for cerebral stimulating activities like penning essays, stories, and poems. This delegation of God-gift of creativity to technology would blunt the fertile human imagination and would prove counterproductive to the intended boons of technology and modernization.

Therefore, I take this opportunity to congratulate all the staff and student editors of the various sections of *"Pushpitagra"* and especially the Editor-in-Chief for putting together this wonderful bricolage of art and ingenuity where the students have expressed their thoughts, ideas, hopes, jokes, feelings, aspirations, and convictions.

At the same time, I convey my best wishes to all the students of the college who are appearing for their final examinations in April/May 2023. We look forward to beginning the new academic session 2023-24 with full enthusiasm and eagerness as the State of Himachal Pradesh implements the *National Education Policy 2020*, which shall have far-reaching consequences in the holistic development of students and the overall teaching-learning process.

Jai Hind, Jai Himachal

(Dr. Lalita Chandel)

"Hard Work beats talent when talent doesn't work hard."
-Tim Notke



The Editorial ...

Government Degree College, Theog relentlessly endeavors to engages students in achieving academic excellence, however, it also aspires to involve students in creative and artistic articulations through the college magazine *Pushpitagra*. The college magazine has become a forum of creative interaction by and between teachers and students. Students are encouraged to contribute their creative expressions for the magazine. At the same time, it also seeks to promote readership. When students write by themselves, about themselves and for themselves, they become more inclined to read their representation and perspectives towards life. The college magazine captures the sparks of imagination of the students. It respects their quirky insights, their flights of imagination, the colourful and powerful and powerful rendition of their experiences and understanding of life. The college magazine thus, weaves these expressions together to form a tapestry of imaginative and brilliant outpourings.

As the Chief Editor, it gives me immense pride, pleasure and satisfaction to be able to compile such deluge of brilliant expressions and witness a wide range of blossoming talents promoting literary insights and conveying their diverse perspectives on various themes. I do hope that the magazine turns out to be a pleasurable read for all.

(Dr. Shivani Khatri)


Co-operation & Leadership the NSS Unit of the college
NSS

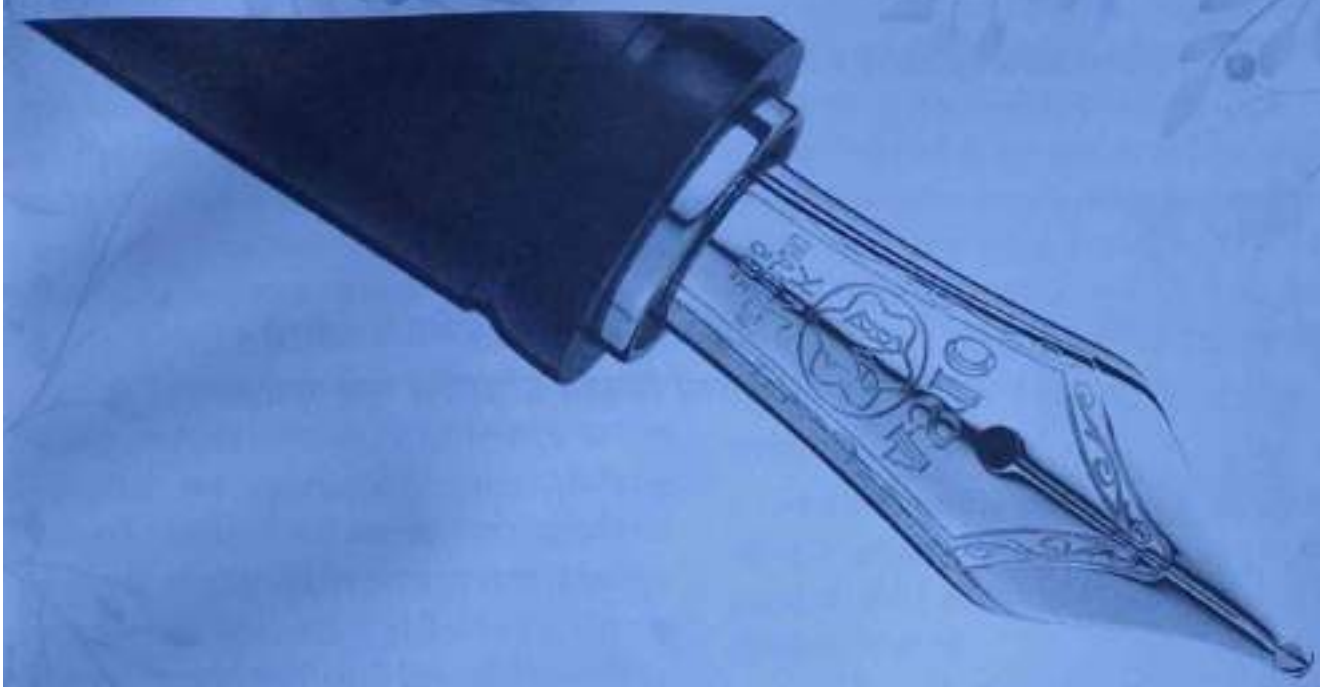

CHRONICLE

SECTION



Dr. Aditya Singh Dulta
Staff Editor

उद्यमेन हि सिद्धसन्ति कार्याणि न मनोरथैः।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः॥

ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं भौगोलिक दृष्टि से महत्वपूर्ण, राजकीय महाविद्यालय, ठियोग, नगर के पार्श्व में चुंड् नामक दिव्य चोटी पर प्रकृति के नैसर्गिक सौन्दर्य के मध्य अवस्थित है, पूर्व दिशा में चूड़धार, पश्चिम में पर्यटक नगरी कुफरी की सौन्दर्य छटा, दक्षिण में चायल और उत्तर दिशा में नारकण्डा की समांतर परिलक्षित पहाड़ियों से आगे सुदूर हिमाच्छादित हिमालय की श्रृंखलाओं से आती शीतल-शीतल हवाओं में वर्ष 1998 से इस क्षेत्र में उच्चतर शिक्षा के कई प्रतिमान स्थापित किए हैं। भव्य एवं सुन्दर भवन में संचालित इस महाविद्यालय में कला स्नातक, विज्ञान स्नातक और वाणिज्य स्नातक की शिक्षा प्रदान की जा रही है। सम्प्रति इस महाविद्यालय में पुस्तकालय, आई.टी.लैब, छात्रावास, खेल मैदान तथा चार स्मार्ट कक्षा-कक्ष अत्याधुनिक तकनीक से विकसित किए गए हैं। महाविद्यालय परिसर वाई- फाई एवं कैमरे की सुविधा से युक्त है। महाविद्यालय में नियुक्त शैक्षिक एवं गैर-शैक्षिक कर्मियों की कर्त्तव्यनिष्ठा, कर्मनिपुणता, योग्यता तथा समर्पण से समग्र गतिविधियां निर्धारित मानकों एवं नियमानुसार व्यवस्थित रूप से संचालित हो रही हैं।

महाविद्यालय में प्रशासनिक स्तर पर विविध विषयों में प्राध्यापकों के 25 पद तथा गैर-शिक्षक वर्ग के 11 पद स्वीकृत है। वर्तमान में 3 प्राध्यापक एवं 1 वरिष्ट लिपिक का पद रिक्त है। भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और अर्थशास्त्र के पद दीर्घकाल से रिक्त हैं। वर्तमान सत्र में डॉ0 रमेश प्राध्यापक अर्थशास्त्र, प्राचार्य पद से डॉ0 पवन कुमार सलारिया रिया, प्रो0 बबीता, प्राध्यापक हिन्दी प्रो0 अनुजा (अंग्रजी) प्रो0 विक्रान्त गौतम महाविद्यालय से अन्य महाविद्यालयों में स्थानान्तरित हुए। अन्य महाविद्यालयों से स्थानान्तरित होकर कार्यभार ग्रहण कर्त्ताओं में प्राचार्य, डॉ0 ललिता चन्दन, डॉ0 सुरेन्द्र शर्मा, प्रवक्ता हिन्दी प्रो0 हिमानी सकसेना, प्राध्यापिका अंग्रेजी और शारीरिक शिक्षक डॉ0 जितेन्द्र ठाकुर हैं। श्री सन्दीप भारद्वाज ने पदोन्नत होकर अधीक्षक पद का कार्यभार ग्रहण किया।

हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2020 में 9 महाविद्यालय उत्कृष्ट महाविद्यालय घोषित किए गए तथा उत्कृष्ट महाविद्यालय के अंतर्गत हर महाविद्यालय को एक करोड़ रूपये का अनुदान विभिन्न मदों के लिए दिया गया। वर्ष 2021 में 18 महा विद्यालय उत्कृष्ट महा विद्यालय घोषित किए गए जिसमें राजकीय महाविद्यालय ठियोग को भी चयनित किया गया। वर्ष 2021 के बजट में महा विद्यालय ठियोग को भी 1 करोड़ की राशि प्रदान की गई जिसे विभिन्न मदों, स्पोर्टस एवं कला, एकडिमक अपग्रेडशन, शौच कार्य, सिविल कार्य, व आधारभूत संरचना के लिए 2021 वित्त वर्ष

में व्यय किए गए। इस सत्र में उत्कृष्ट महाविद्यालय योजना के तहत विद्यार्थियों में विभिन्न प्रकार के कौशल विकसित करने के लिए प्रयोजनार्थ कौशल आधारित (स्किल बेस्ट) एकीकृत पाठ्यक्रम करवाये जा रहे है। इसके अंतर्गत 15 फरवरी, 2022 में महा विद्यालय में टैली व जी.एस.टी. के बारे में विस्तृत व व्यावहारिक जानकारी प्राप्त की। प्राथमिक चिकित्सा (First Aid) पर आधारित 30 घंटों का स्किल कोर्स भी महाविद्यालय द्वारा 07 मार्च, 2022 से आरंभ करवाया गया जिसमें 8 विद्यार्थियों ने भाग लिया इस कोर्स का व्यावहारिक भाग (paractical parts) चिकित्सा अधिकारी (MD) सिविल अस्पताल ठियोग के पर्यवेक्षण में पूरा हुआ। योगा एवं न्यूट्रिशन विषय पर आधारित एकीकृत पाठ्यक्रम भी 07 मार्च, 2022 से 30 विद्यार्थियों के साथ शुरू हुआ एवं 'बागवानी' संबंधी skill best कोर्स का आरंभ 10 मार्च 2022 से शुरू हुआ जिसमें 27 विद्यार्थियों ने भाग लिया। उत्कृष्ट महाविद्यालय योजना के अन्तर्गत एक सम्मेलन कक्ष (Conference Hall)एक Botanical Glass House तीन स्मार्ट कक्षा कक्ष (class room) sound system, सामूहिक गतिविधियों के लिए नृत्य पोशाक, खेलों के लिए किट, पिच और बॉउलिंग मशीन, कक्षाओं के लिए स्मार्ट फर्निचर एवं आऊटडोर स्क्रीन खरीदी गई।

महाविद्यालय के सौंदर्यवर्धन के लिए एवं स्थानीय संस्कृति को चित्र के माध्यम से परिलक्षित (Depict) किया गया है। एक कक्षा को बेहतरीन रंग से सुसज्जित किया गया है एवं महाविद्यालय की basic amenties और विद्यार्थियों को इसका लाभ मिल सके इसका प्रावधान किया गया है। गेट, पेंट और रिपेयर का कार्य अभी लंबित है।

छात्र नामांकन एवं परीक्षा परिणाम

महाविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2021-2022 में 1189 छात्र नामांकित हुए, जिनमें 486 छात्र एवं 703 छात्राएं है। कला सनातक में 942, विज्ञान सनातक में, 90 और वाणिज्य सनातक में 157 छात्र पंजीकृत है। सभी संकायों में छात्रों की अपेक्षा छात्राओं की संख्या अधिक है। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के तहत महाविद्यालय में अध्ययन-अध्यापन ए.जी.सी. (सी.बी.सी.एस.) वार्षिक प्रणाली आधारित है तथा परीक्षा परिणाम ग्रेड प्रणाली द्वारा निकालने की व्यवस्था है। विश्वभर में करोना महामारी के चलते सत्र 2020-21 में प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के सभी छात्रों को आन्तरिक मूल्यांकन के आधार पर अग्रिम कक्षा के लिए पदोन्नत किया गया। अन्तिम अथवा तृतीय वर्ष के छात्रों का परिणाम परीक्षा आधारित रहा। महाविद्यालय की वाणिज्य विभाग की होनहार छात्रा, शीतल हैटा ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की मैरिट (श्रेष्ठता) सूची में सप्तम स्थान प्राप्त किया।

छात्रवृतियां

इस सत्र में तीनों संकायों के 56 विद्यार्थियों को छात्रवृति प्रदान की गई। जिसमें कल्पना चावला छात्रवृति 26 छात्रों के, आई. आर.डी.पी. के 12 और अनुसूचित जाति के 20 छात्रों को छात्रवृति प्रदान की गयी।

अभिभावक-प्राध्यापक संघ

महाविद्यालय के समुचित प्रबन्धन के लिए प्रतिवर्ष अभिभावक संघ का गठन किया जाता है। इस सत्र में 9 अक्तूबर, 2021 को अभिभावक-शिक्षक संघ का पुनर्गठन किया गया, महाविद्यालय के चँहुमुखी विकासार्थ इनका सराहनीय योगदान रहा है। निम्न पदाधिकारी एवं सदस्य इस पुनीत कर्त्तव्य हेतु चयनित किए गए।

- **संरक्षक**-डॉ. ललिता चन्दन (प्राचार्या)
- **अध्यक्ष**- श्री जगदीश (अभिभावक)
- **उपाध्यक्ष**- श्री देवराज (अभिभावक)
- **सचिव**-डॉ प्रवीण जरेट (प्राध्यापक)
- **संयुक्त सचिव**- श्री गीताराम (अभिभावक)
- **कार्यकारी सदस्य**
- **अभिभावक**-
- श्रीमती राधा देवी
- श्रीमती मीरा देवी
- श्री सन्दीप भारद्वाज
- **प्राध्यापक**-

- प्रो. दीपक कपरेट
- प्रो. अनुपमा सिंह
- डॉ. मोहन शर्मा
- सेवा निवृति इस सत्र में श्रीमती कृष्णा देवी और श्रीमती सुन्दला देवी चपरासी के पद से सेवानिवृत्त हुई।

राष्ट्रीय सेवा योजना

- नेतृत्व गुणों और लोकतान्त्रिक दृष्टिकोण को प्राप्त करने तथा सहयोग की भावना जागृत करने के उद्देश्य से महाविद्यालय में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रीतु शर्मा और डॉ मोहन शर्मा के निर्देशन में दो इकाईयां कार्यरत हैं। इन इकाईयों में 150 स्वयं सेवक पंजीकृत हैं। इस सत्र में स्वयं सेवकों द्वारा अगस्त माह में वृक्षारोपण किया गया। 24 सितम्बर को महाविद्यालय 'राष्ट्रीय सेवा योजना' का स्थापना दिवस मनाया गया।

- अक्तूबर माह में 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अन्तर्गत स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें जागरूकता रैली, महाविद्यालय परिसर सौन्दर्यीकरण और 2 क्विंटल प्लास्टिक को एकत्रित किया गया। मैंहदी एवं रंगोली प्रतियोगिता को नवम्बर माह में स्वयं सेवी छात्राओं द्वारा सम्पन्न किया गया। महाविद्यालय में 2 सितम्बर 2022 से 8 सितम्बर 2022 तक चलाया गया जिसमें 66 स्वयं सेवकों ने भाग लिया, शिविर का उद्घाटन महाविद्यालय प्राचार्या, डॉ0 ललिता चन्दन तथा समापन समारोह शिविर के ऐल घनौत गांव को गोद लिया गया, स्वयं सेवकों ने उस गांव में जाकर, कुंए बावड़ी की सफाई तथा ग्रामवासियों को स्वच्छता हेतु प्रेरित किया।

- ' मैं नहीं आप' इस ध्येय वाक्य को साकार करने के उद्देश्य से स्थानीय बाजार और महाविद्यालय परिसर के सौन्दर्यीकरण हेतु अपनी भागीदारी सुनिश्चित की।

- इस सत्र में इकाई के दो छात्र, लक्षित शर्मा और अंकुश 2021 में जिला स्तरीय मेधा शिविर में भाग लिया।

एन.सी.सी./ राष्ट्रीय कैडेट कोर

- युवाओं में राष्ट्र प्रेम की भावना जगाने के उद्देश्य से महाविद्यालय में एन.सी.सी. कार्यरत है। शैक्षणिक सत्र 202122 में प्रो. विक्रम भारद्वाज (ए.एन.ओ.) के कुशल नेतृत्व में एन. सी.सी. में 42 कैडेटस पंजीकृत हुए जिसमें 25 एस.डब्लू. (छात्राएं) और 17 एस. डब्ल्यू(छात्र) शामिल है। ए.एन.ओ. विक्रम भारद्वाज का राजकीय महाविद्यालय संजौली को स्थानांतरण होने के पश्चात प्रो0 अरूण कुमार को बतौर एन.सी.सी. केयर टेकर ऑफिसर कार्यभार सौंपा गया। इस सत्र की एन.सी.सी. इकाई की गतिविधियों /उपलब्धि को ब्यौरा इस प्रकार है।-

- 7 अगस्त 2021 को कैडेटस द्वारा वृक्षारोपण करना व ए. डी.एम. ठियोग द्वारा संबोधन।
- सीनियर अंडर ऑफिसर अंकुश द्वारा 15 से 29 सितम्बर 2021 तक चिकारी युनिवर्सिटी में आयोजित बटालियन लेवल कैंप में भाग लिया।
- केन्द्रीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (सी.ए.टी.सी.) शोघी कैंप में द्वितीय व तृतीय वर्ष के कैडट्स द्वारा 15-11-2021 से 24-11-2021 के मध्य भाग लेना व योग्यतानुसार रैंक प्राप्त करना।
- 26 जनवरी, 2022 को शिमला में हुई गणतंत्र दिवस परेड में एस.यु. ओ. अंकुश और कैडेट अवनीश द्वारा भाग लेना।
- प्रत्येक माह थीम आधारित विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लेना।
- रोड सेफ्टी क्लब में एन.एस.एस. के कैडेटस महाविद्यालय के सभी कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन हेतु अपनी सक्रिय भूमिका निभाते है।
- साहित्य परिषद/ हिन्दी दिवस

कार्यकारिणी

- **अध्यक्ष/समन्वयक**- प्रो. सुरेन्द्र शर्मा
- **सदस्य**- प्रो.मोहन शर्मा
- **सदस्य**- प्रो. अरूण शर्मा
- **सचिव**- मोनिका (बी.ए. तृतीय वर्ष)

- सहसचिव - कृतिका(बी.ए. तृतीय वर्ष)
- महाविद्यालय की साहित्य परिषद द्वारा 14 सितम्बर, 2021 से 20 सितम्बर, 2021 तक हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया, जिसके तहत भाषण, काव्य पाठ, निबंध लेखन, नारा लेखन जैसी विविध प्रतियोगिताएं करवाई गई। इन प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

''रोवर और रेंजर संगठन''

- महाविद्यालय में गठित रेंजर्स और रोवर की गतिविधियां सराहनीय है। डॉ. अरविन्द पॉल और प्रो. कनिका लखनपाल के निर्देशन में गठित संगठन बेहतर इन्सान और समाज सेवा तथा सहयोग के निमित्त सक्रिय है। इस सत्र में इकाई द्वारा पौधा रोपण, स्वच्छता अभियान एवं सड़क सुरक्षा और यातायात नियन्त्रण के प्रति छात्रों को जागरूक किया गया। महाविद्यालय में रोवर और रेंजर्स ने रक्तदान शिविर में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। महाविद्यालय में सड़क सुरक्षा क्लब का गठन किया गया, जिसमें रोवर्स और रेंजर्स ने महाविद्यालय परिसर में जागरूकता रैली निकाली, पोस्टर बनाए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं भाषण पीपीटी प्रस्तुतिकरण किया, जिसके माध्यम से महाविद्यालय के छात्रों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।

सांस्कृतिक गतिविधियाँ

- वर्ष 2020 में 25 व 26 जनवरी गणतंत्र दिवस पर उपमंडलाधिकारी, ठियोग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में ज्योतिका, दीक्षा ठाकुर, सपना दिव्यांशी, शमिला, अंशुला व मनीष कुमार ने लोक संगीत एंव लोक नृत्य में भाग लिया। इन्हीं विद्यार्थियों ने 14 एवं 15 अगस्त 2021 को भी उपमंडलाधिकारी, ठियोग द्वारा आयोजित कार्यक्रम ठियोग उत्सव एवं स्वतंत्रता दिवस पर भाग लिया। अंशुला कांजटा ने भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

खेलकूद गतिविधियां

- महाविद्यालय में खेल कूल प्रतियोगिता के आयोजन की स्वस्थ परंपरा रही है। इसी के तहत महाविद्यालय में बालीबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में तीनों वर्षों के लगभग 50 छात्र एवं छात्राओं ने भाग लिया। छात्र वर्ग में बी.ए. तृतीय वर्ष विजेता रहा तथा छात्रा वर्ग में मिली जुली टीमों ने भाग लिया अन्तर महाविद्यालय प्रतियोगितायों में महाविद्यालय की दो टीमों ने भाग लिया तथा छात्र वर्ग की शतरंज की टीम ने महाविद्यालय स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी वर्ष उत्कृष्ट महाविद्यालय योजना के तहत 30 छात्र एवं छात्राओं ने 'योगा एवं न्यूट्रीशन' के सर्टीफिकेट कोर्स में भाग लिया। यह कोर्स मार्च 7 से शुरू होकर मार्च 25 को समाप्त हुआ।

- खेल कूद प्रतियोगिताओं के तहत महाविद्यालय में खेल दिवस का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 400 छात्र एवं छात्राओं ने भाग लिया। खेल दिवस पर गोला फैंक, चक्का फैंक, दौड़, ऊंची कूद, बास्केटबाल एवं कबड्डी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें छात्र एवं छात्राओं के स्वर्ण, रजत एवं कास्य पदकों से नवाजा गया।

महाविद्यालय पत्रिका

- महाविद्यालय पत्रिका विद्यार्थियों की सहित्यिक, सृजनात्मक, काल्पनिक एवं उन्मुक्त वैचारिक चिन्तन की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम से विद्यार्थी अपने परिवेश से अपने अनुभव को मनोभावों, संवेदनाओं एवं अपनी अनुभूतियों को अपनी रचना का मुख्य स्वर बनाकर अभिव्यक्त करता है। महाविद्यालय में छात्रों की रचनात्क अभिव्यक्ति को जीवन्त दस्तावेज महाविद्यालय की छात्र-पत्रिका ''पुष्पिताग्रा'' है। इसमें विभिन्न अनुभागों में विद्यार्थियों के विविध विषयक मौलिक रचानएं प्रकाशित की जाती है।

सोशल आऊटरीच क्लब

- महाविद्यालय में डॉ. मोहन शर्मा की अगुवाई में गठित सोशल आँऊटरीच क्लब सदैव सामाजिक सेवार्थ अग्रणी रहता है।

इको क्लब

- इको क्लब द्वारा अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस तथा विश्व एड्स दिवस पर कार्यक्रम किए गए। इको क्लब के संयोजक प्रो0 भगवती चरण के नेतृत्व में कई सराहनीय कार्य किए गए।

क्लब द्वारा वृक्षारोपण एवं स्वच्छता अभियान चलाया गया। परिसर के सौन्दरीकरण हेतु विभिन्न प्रकार के पुष्पों को रोपा गया।

पुस्तकालय

• इस महाविद्यालय में एक पुस्तकालय कक्ष है। जो पुस्तकालय किसी भी शैक्षणिक संस्थान का महत्वपूर्ण व अभिन्न अंग होता है, जिसमें विभिन्न विषयों से सम्बधित 5100 उपयोगी पुस्तकें हैं। जिसमें Encylopedia एवं Dictionary की सन्दर्भ में पुस्तकें उपलब्ध करवाई गई है। पुस्तकालय में हर समय विद्यार्थी ज्ञान प्राप्त करने के लिए पुस्तकालय में विभिन्न विषयों की पुस्तकें तथा समाचार पत्र एवं पत्रिकाओं का अध्ययन करने को आते है। पुस्तकालय में Soul Software की सुविधा है जब भी समय हो, पुस्तकालय का प्रयोग करते रहो।

रेड रिबन क्लब

• राजकीय महाविद्यायल ठियोग में रेड रिबन सोसायटी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आज़ादी के अमृत महोत्सव के तहत दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ। पहले दिन रक्तदान शिविर का शुभारम्भ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. ललिता चंदन ने किया। दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल शिमला के डॉ. दीपक के नेतृत्व में आई टीम ने 35 यूनिट रक्त एकत्रित किया। दूसरे दिन जिला एड्स कार्यकारिणी अध्यक्ष डॉ. राकेश भारद्वाज और डॉ. राजेन्द्र टेक्टा (बी.एम.ओ. मतियाना) ने मुख्यअतिथी के रूप में शिरकत की। उन्होंने छात्र-छात्राओं को एच.आई.वी. और टी. बी. के बारे में जागरूक किया। अंत में एक मिनट टी.बी. वीडियो प्रतियोगिता का परिणाम घोषित किया गया जिसमें दीपक चौहान, गौरव और रजनी को विजेता घोषित किया गया। आयोजन में कॉलेज प्राचार्या डॉ ललिता चंदन, रेड रिबन क्लब से संयोजक डॉ श्वेता शर्मा, कॉलेज प्रोफेसर अजीत ठाकुर, प्रो सुरेन्द्र चौहान, प्रो अंजलि, प्रो शिवानी सूद, प्रो शालु मौजूद रहे।

• राजकीय महाविद्यालय ठियोग में 25 मार्च, 2022 को इको क्लब और रेड रिब्न क्लब द्वारा विज्ञान कार्यक्रम का आयोजन किया गया, क्लब के संयोजक प्रो. भगवती चरण और डॉ. श्वेता शर्मा थे। महाविद्यालय कि प्राचार्या डॉ. ललिता चंदन ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। सिविल अस्पताल से आई डॉ. प्रिया वर्मा जो मुख्य वक्ता थी उन्होंने छात्रों को फर्स्ट एड की जानकारी दी, इस अवसर पर poster making declamation और quiz प्रतियोगिता भी कराई गई।

विभागीय गतिविधियां

• अकादमिक सत्र 2021-22 इस महाविद्यालय में विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन और अभिव्यक्ति कौशल को विकसित करने के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। महाविद्यालय के अकादमिक विकास में इन कार्यक्रमों का महत्वपूर्ण योगदान है।

• वाणिज्य विभाग (Commerce Department) द्वारा 25 नवम्बर 2021 को शेयर मार्केटिंग एवं 9 दिसम्बर 2021 को केरियर परामर्श (Career counselling) विषय पर विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए गए। विभाग द्वारा 23 दिसंबर 2021 को अकादमिक व सांस्कृतिक (Academic cum cultural) कार्यक्रम आयोजित करवाया गया।

26 नवंबर 2021

• राजनीति शास्त्र विभाग के द्वारा 26 नवम्बर 2021 को राजकीय महाविद्यालय ठियोग में संविधान दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम के उपलक्ष्य पर विभिन्न गतिविधियां-भाषण प्रतियोगिता, पोस्टर लेखन और नारा लेखन का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से छात्रों को संविधान के मूल्यों आदर्शों आकांक्षाओं एवं उद्देश्य से अवगत कराया गया।

• राजनीति शास्त्र एवं इतिहास विभाग के द्वारा 12 सितम्बर 2021 को आजादी के 75वें अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य पर विभिन्न गतिविधियों-भाषण प्रतियोगिता, पोस्टर लेखन और नारा लेखन एवं प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों को स्वतन्त्रता संग्राम में महान स्वतन्त्रता सेनानियों की भूमिका से अवगत कराया गया।

Women Cell

वुमेन सेल के सदस्य द्वारा 16-12-2021 को महाविद्यालय के समीप मजदूर महिलाओं को सैनिटरी नैपकिंन का वितरण किया गया न केवल सदस्यों ने मजदूर महिलाओं को सैनिटरी नैपकिंन बांटे अपितु उनको साफ सफाई के बारे में और सैनिटरी नैपकिंन को कैसे डिस्पोस ओफ करना है, इसके बारे में समझाया।

रोड सेफ्टी

सरकार के निर्देशों का पालन करते हुए, हमारे महाविद्यालय द्वारा युवा पीढ़ी को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए रोड सेफ्टी क्लब की स्थापना की गई। इसका उद्देश्य ना केवल युवा पीढ़ी को जागरूक करना है, अपितु अन्य आम जनमानस को जागरूक करना भी हैं इस क्लब के द्वारा जागरूकता रेली एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बाजार में लोगों को जागरूक किया गया । क्लब द्वारा सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया गया जिसमें रिसोर्स पर्सन द्वारा छात्रों को सड़क सुरक्षा नियमों के बारे में अवगत करवाया गया। विशेषज्ञ द्वारा विस्तार पूर्वक वाहन संकेतों एवं सड़क पर चलते हुए उनके नियमों के बारे में भी बताया। रोड़ सेफ्टी क्लब द्वारा प्रश्नोत्तरी, नारा लेखन, भाषण प्रतियोगिता और पी.पी. प्रस्तुतीकरण करवाया गया, जिसमें कि छात्रों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। सड़क सुरक्षा सप्ताह के प्रारंभ में छात्रों द्वारा शपथ ग्रहण की गई। क्लब की समन्वयक डॉ रीतु शर्मा द्वारा पी.पी.टी. के माध्यम से छात्रों को नियमों की अवहेलना न करने के प्रति प्रेरित किया गया। वर्तमान में इस रोड सेफ्टी क्लब में डॉ. मोहन शर्मा, डॉ. अरविंद पाल डॉ. कनिका लखनपाल और प्रोफेसर अरूण शर्मा है।

एक गांव का दौरा

वोमैन सेल ने सरकार के निर्देशों पर जैस नामक गांव को गोद लिया, 18 नवम्बर 2021 को वोमैन सैल की सभी सदस्य उपरोक्त गांव गई और वहां की महिलाओं को उनके अधिकारों, उनकी शिक्षा, समाज में उनका स्थान और "Social Justice and Empowerment Department" द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में जागरूक किया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस

महाविद्यालय में 8 मार्च, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि की भूमिका महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ ललिता चन्दन ने निभाई। डॉ रुचि शर्मा MO/IC सैंज ने कॉलेज के विद्यार्थियों से मानसिक स्वास्थ्य पर बातचीत की अपने वार्तालाप में डॉ रुचि शर्मा ने खाने-पीने से संबंधित मोबाईल फोन प्रयोग करने से संबंधित, आचार-विचार ठीक रखने से संबंधित और अनुशासित दिनचर्या अपनाने संबंधित बातचीत की। उसके बाद महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम प्रस्तुत किये। इस कार्यक्रम के अंत में भाषण प्रतियोगिता हुई। जिसमें प्रो0 डॉ रविन्दर चौहान और प्रो0 डा0 भगवीत चरण ने निर्णायक की भूमिका निभाई। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ ललिता चन्दन प्राचार्या ने महिलाओं के सशक्तिकरण के साथ-साथ उनकी जागरूकता पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया।

प्रो. रीतू शर्मा

अंतर्राष्ट्रीय विविध विषयक जर्नल में Sacrilige of jordanian penal code: Reading Rana Husseini." नामक एक अध्याय प्रकाशित हुआ।

Sociocultural Practices through the lens of the memoir of Maukhtar Mai" शीर्षक पर आधारित एक अध्याय " Socio-cultural indicators of indigeneous people : A study in regional cuisines, costumes and folk art study, culture and literature नामक किताब में प्रकाशित हुआ।

इको क्लब राजकीय महाविद्यालय धामी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबीनार में एवं संजौली महाविद्यालय में crime against women के दो दिवसीय सेमिनार में भाग लिया।

प्रो0 शालू चौहान

रसायन विज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर शालू दुल्टा ने 'उत्कृष्ट शिक्षा केन्द्र' राजकीय महाविद्यालय संजौली में "Right of women tolive with dignity at home and workplace." विषय पर शोध प्रस्तुत किया।

प्रो0 शिवानी सूद

वाणिज्य विभाग से प्रो0 शिवानी सूद ने 'उत्कृट शिक्षा केन्द्र'' राजकीय महाविद्यालय संजौली में आयेजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में " Deconstructing capital punishment and its's deterernce के मध्य ' Revamping Emotional and profesional paradigms +for an inclusive approach to holastic education भी पूरा किया।

डॉ0 श्वेता शर्मा

हिम साईंस कांग्रेस एसोशियशन द्वारा 11-12 सितम्बर, 2021 को करवाई गई Progress fo science and technology during pandamic (PSTDP) विषय पर आधारित दो दिवसीय अंतंराष्ट्रीय e-conference में डॉ श्वेता शर्मा को इनके रिसर्च पेपर Cytoprotectice effects of diatary plants के लिए best oral presentation award से सम्मानित किया गया।

डॉ विपिन

इन्होंने सवित्री बाई फूले पूने विश्व विद्यालय से Leadership and Governace in higher Education level-II विषय पर आधारित आनलाईन रिफरेशर कोर्स पूरा किया। डॉ0 विपिन ने इस सत्र में दो राष्ट्रीय सम्मेलनों में भी भाग लिया।

डॉ मोहन शर्मा

डॉ शर्मा ने हिमाचल प्रदेश विश्व विद्यालय से 202-2021 में Informartion of computer technology विषय पर आधारित रिफरेशर कोर्स किया और चार राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया। सत्र 2021-22 में इन्होंने 96 वेबीनार, 3 FDP, 3 ट्रेनिंग जर्नल में प्रकाशित हुए। इन्होंने सावित्री बाई फुले पूने विश्व विद्यालय से Teacher and techning in highter education विषय पर आनलाईन रिफेशर कोर्स पूरा किया। साथ ही लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्व विद्यालय से संस्कृत पैडागोजी पर आधारित आनलाईन रिफरेशर कोर्स भी किया।

प्रो0 कनिका लखनपाल

भूगोल विभाग में प्रो0 कनिका ने राजकीय महाविद्यालय धर्म और cope comrin trust के संयुक्त तत्वाधान विषय पर Virtual माध्यम से GDP पूरा किया। इन्होंने 23-31 अगस्त 2021 तक जे.ए.यू. दिल्ली द्वारा आयोजित ऑनलाईन शॉर्ट टर्म कोर्स किया। संजौली में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भी भाग लिया।

प्रो0 सविता कुमारी

इतिहास विभाग से सहायक प्रोफेसर सविता कुमारी ने राजकीय महाविद्यालय संजौली द्वारा Capacity building programme on soft skill विषय पर आधारित साप्ताहिक कार्यशाला में 9-14 अगस्त, 2021 तक भाग लिया। 27-28 अगस्त, 2021 तक crime against women: the Devi Violated विषय पर आधारित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में Two contrasting aspects of women through sculptural art in the Kuluta region शीर्षक पर पत्र वाचन किया। international ournal of research and analystical reviews (IJRAR) के अगस्त संस्करण में sculpture of Mahishasura Mardini in the Vishveshwara Mahadeva Temple at Bajaura Tracing Elements of different Forms शीर्षक संबंधी इनका शोध पत्र प्रकाशित हुआ। इसके अलावा अनेक सम्मेलनों और कार्यशालाओं में भाग लिया।

प्रो. हिमानी सक्सेना

अंग्रेजी विभाग कि प्रोफसर हिमानी सक्सेना ने राजकीय महाविद्यालय संजौली में 27-28 अगस्त, 2021 को

आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन "Crime against women" The devi violated में शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ मरोज नेगी चौहान

डॉ नेगी ने Teaching Learning Centre, Ramanujan College Delhi Univesity द्वारा 15 मार्च, 14 अप्रैल 2021 तक आयोजित ऑनलाईन Induction/Orientation Programme (4weeks) पूरा किया।

प्रो. दीपक कपरेट

अंग्रेजी विभाग के प्रो. कपरेट ने राजकीय महाविद्यालय संजौली में 27-28 अगस्त, 2021 को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में Redefining honour of women विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। इन्होंने इसी महाविद्यालय में 22-23 अक्टूबर 2021 को Sustanable Horticulture HDP Model शीर्षक पर भी पत्रवाचन किया। राष्ट्रीय स्तर का यह सम्मेलन sustanable development : Issues and challanges विषय पर आयोजित किया गया।

प्रो0 अजीत ठाकुर

गणित विभाग के सह आचार्य प्रो0 अजीत ठाकुर ने उत्कृष्ट महाविद्यालय संजौली में दो राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया और शोध पत्र प्रस्तुत किए।

प्रो0 प्रदीप ठाकुर

वाणिज्य विभाग से प्रो. प्रदीप ठाकुर ने सत्र 2020-21 में हिमाचल प्रदेश विश्व विद्यालय से Information of Computer Technology (ICT) विषय पर आधारित रिफ्रेशर कोर्स पूरा किया और दो राष्ट्रीय स्तरीय सेमिनार में भाग लिया। इन्होंने सत्र 2021-22 में 24 वेबिनार, दो Faculty Development Programme (FDP) किए। इसके अलावा सावित्री बाई फुले पूने विश्व विद्यालय से Teacher and Teaching in Higher Education Level II विषय पर आयोजित दो अलग अलग ऑनलाईन रिफ्रेशर कोर्स पूरे किए।

निष्कर्ष

राजकीय महाविद्यालय ठियोग अध्ययन-अध्यापन के क्षेत्र में विगत दो दशकों से निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर है। हमने काफी कुछ अर्जित कर लिया है अभी बहुत कुछ प्राप्त करना बाकि है। आशा है यह महाविद्यालय भविष्य में और भी नई ऊँचाइयाँ छुएगा और बेहतरीन शिक्षण संस्थान के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करेगा।

धन्यवाद!

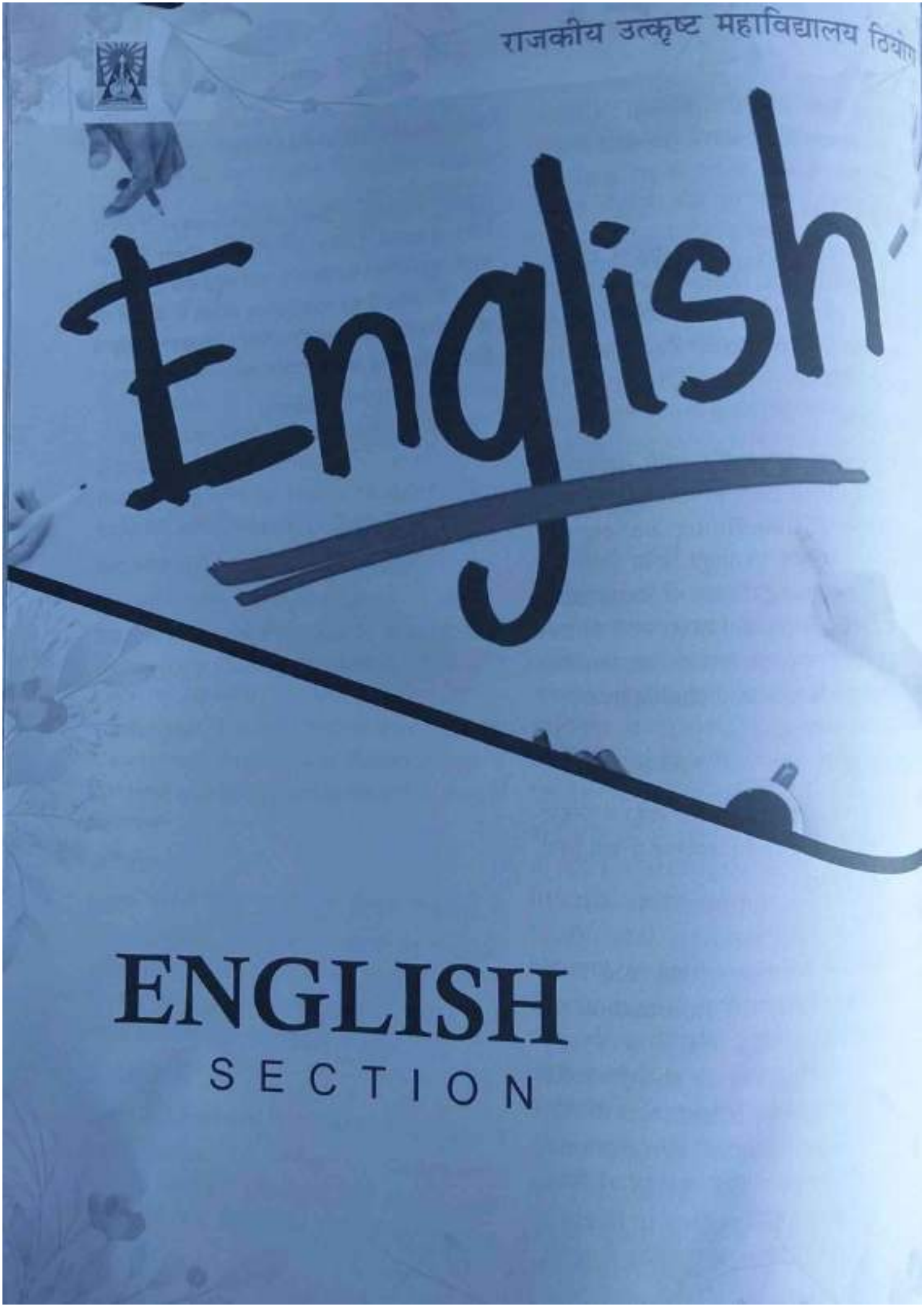
राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय ठियोग
English
ENGLISH
SECTION

Editorial



Dr. Harsh Vardhan Khimta
Teacher Editor



Sunakshi Thakur
B.A. 3rd year

"The English language is so elastic that you can find another word to say the same thing."
-Mahatma Gandhi.

I feel honored to be the student editor of English section of the college magazine. The magazine of our college provides a platform to its students to voice their opinions, give expression to their feelings, thereby show casing their creativity. It was a great experienced to gather all the creative thoughts of numerous minds.

I am eternally grateful to Dr. Shiwani Khatri for her endorsement and thank all the contributors as their contribution is the reason that makes this section endearing with the readers.

A BOOK



A book is a gift you can open again and again. Reading is a conversation. All books talk but a good book listens as well. I do believe something magical can happen when you read a good book. One thing about books is also that, they let you travel without even moving your feet. The more you learn the more places you will go. "What a blessing it is to read and love a book, the more you read the more things you will know. " There are two motives behind reading a book: first you enjoy it, second you can boast about it. It is a fact that when you read a good book and turn the last page, you feel as if you have lost a friend. For some reasons books are our friends. There is no loyal friend as a book is. Books give us the best knowledge they have. There is only one thing that could replace a book is the next book.

Anchal Lapta
B.A. 3rd year

SELF AWARENESS



Self-awareness is a vital skill for everyone, whether you are a student, a parent or an educator. Self awareness means having the ability to understand your thoughts, emotions and values as well as knowing how those factors influence your behavior. Added to this, understanding is the capacity to open mindedly and realistically assess you strengths and weaknesses while maintaining your confidence, drive and desire to grow. To be self aware, you must be able to identify your emotions, see yourself honestly, recognize your strengths and weaknesses and work toward growth. Having a healthy self awareness, promotes emotional well-ness and self-esteem. Self awareness among students is crucial for success.

Sonal Sharma
B.A 3rd year

SKILLS LEARNT BY US

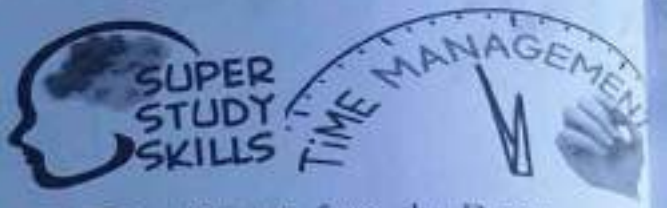

Hey! We are from the Department of English. This year we have learnt a lot of skills. First is listening skill, but we do not use this skill because we are masters in hearing skill.
Second skill that we learnt is communication skill, but we are fond of conversation skill rather than this skill. The third and most important skill is soft skill, but we aren't interested in either soft or hard skill. Oh yes, we have another interesting skill-team management skill but according to us, we do not need this skill. The conclusion is we don't know whether we learnt any skill or not but we definitely feel these are the skills that only kill.

Sunakshi Thakur
B.A. 3rd year

A LIFE WITHOUT AIM



A life without aim,
is like a person with no name!
Aim is another name for dream.
That leads one like a compass thus,
Dream on, and scatter the ray among others.
Make them smile when life is a curse.
If the devil hampers you in attaining your goal,
Just fight with courage, fight with soul.
Your aim is your true identity,
This is what you must know.

Priya Sharma
B.Com 2nd year

THE SCHOOL MAGAZINE

Here comes the school magazine
Filled with fun and energy
Covering our rush in studies
Making our mind very busy,
Contains the glory of the school
Making it look cool,
Looks like two roads diverged in woods
Looking in its writing part led to confusion
As some poems in it don't have any conclusion.
The work teachers appreciated
As all of them looked busy and suffocated.
The magazine is the encyclopedia of the school.
The people who don't read it are fools.

Samiksha Grover
B.A. 3rd year

THAT GIRL, THOSE FLAWS

O Girl, that girl
That glance of the Hayley's comet
Those fading away sighs of mine
Except her wandering portrait
Reminds me of striking on a verse of a sonnet
Other phrases seem out of sight
But those words shine bright.
Her hair flaming brown
Just like a royal maiden with crown
Her words literally those of a queen's offspring
Addressing gathered with a wine drink
Her flaws and my level of joy
Metaphors to the weeping kid and her toy.
Oh boy, oh boy
God crowning me with the best luck
Even Lucifer being on my side.
Her undeniable offer tome
For a perfect endless ride.

Satvik Verma
B.A. 1st year

RIDDLES



- I'm tall when I'm young, and I'm short when I'm old. What am I?
- What is always in front of you but can't be seen?
- What gets wet while drying?
- What can you keep after giving to someone?
- What can you catch, but not throw?
- What has a head and a tail but no body?
- What has 13 hearts, but no other or bone?
- I have a ring but no finger. What am I?
- I can fall off a building and live, but put me in water I will die. What am I?
- Where are the lakes always empty, the mountain always flat and the rivers a always still?

Ans.: A Candle, The future, A towel, Your Word, A Cold, A Coin, A Deck of Cards, A Telephone, Paper, A map.

Sunakshi
B.A. 3rd year

GRATITUDE IS THE BEST ATTITUDE

Gratitude is a gesture that expresses gratefulness to others. Showing thankfulness towards others is manner. We have always heard that, always be polite to the person who has helped you in your bad times. If we express gratefulness towards someone, we feel happier.

Gratitude involves appreciation and thankfulness towards others. It is the way of expressing kindness. Feeling thankful towards others is the reflection of one's goodness. The word, "Thank you" expresses the feeling of gratitude. It can bring positivity to our surrounding. Being thankful for the things we have or we got from others is one of the best responses one can give.

Kartik Chandel
B.A. 3rd year

EDUCATION



Education is one of the most effective ways to make people better and more productive. It is a tool that can make people easy to lead but at the same time difficult to drive. Education removes ignorance from the people, leaving them aware, informed and enlightened.

Importance of true education

True education means going beyond earning degree and bookish knowledge when it comes to learning. Furthermore, true education means a helping attitude, optimistic thinking and moral values in students with the aim of bringing positive change in society. Having an education in a particular area helps people think, feel and behave in a way that contributes to their success and improves not only their personal satisfaction but also enhances their community. In addition, education develops the human personality and prepares people for life experience. Overall, education means that an educated person is more likely to develop better moral and ethical value as compared to an uneducated one.



SUCCESS

Success is the goal of everyone's life. No one can achieve success in life without hard work. Everyone in this world has some dream or goal to achieve for which he works sincerely. It is a good thing to dream about some goal in life and achieving that goal is our success. We should work hard and use our time properly to make our life's dreams come true. Success can only come to those who sincerely work hard for their success. People should use their time properly and work hard and work accordingly to make their dreams come true. Failure is also a part of success. We donot need to be disappointed by our failure.

Success is a journey not a destination. The doing is often more important than the outcome. Ambition is the path to success. Persistence is the vehicle you arrive at. Failure is often a part of journey to success. True success is overcoming the fear of being unsuccessful. It is a slow process, and quitting does not speed it up. It is the fruit of hard work and efforts. Success can not come in a day. It is the achievement of our goal. It is not something that just happens. It is learnt, practiced and then earned and shared. It is not the key to happiness. Happiness is the key to success. If you love what you are doing, you will be successful. Always remember that your success begins inside you. Your success in life begins only when you make the commitment to become excellent at what you do. Success is not about the end results, it is about what you learn along the way. Success is where preparation and opportunity meet. Every day is not success. Every year is not success. You have to celebrate the good and nothing is impossible in life because the word 'impossible' says that 'I am possible'.

Versha Chauhan
B.A. 3rd year

WHY ONE SHOULD JOIN NCC

The National Cadet Corps (NCC) is the youth wing of the Indian Armed forces and is a tri-services voluntary organization comprised of the Army, Navy and Air wing. It is also known as second line of defense. NCC is the world's largest youth organization. In India with over 1.2 million cadets, it was formed on July 15, 1948.

NCC is an incredible journey. It depends upon you how much you can learn from it and to adopt the things, achievements, officer like qualities which a civilian cannot do in their life. NCC will differentiate you from rest of your friends who are not a part of NCC. As you get involved in many activities like social service, community development, sports, cultural events. It plays a praiseworthy role in grooming the youth both physically and mentally. It teaches you selflessness, sincerity, obedience, discipline, honesty, working in a team, time management, being physically fit, hard working, ways to build self-confidence, gain leadership skills, service before self, social service and responsibility of service towards motherland and to be a responsible citizen.

During the camp training cadets are trained to handle the rifles and other weapons. They get a chance to perform with rifles, swords and drill on Republic Day and Independence Day. Being a part of the NCC one gets a chance to attend various camps like RDC, CATC, NIC, TSC, BLC, ALC, TREK, YEP, etc. Each camp has its own specialization and cadets get a chance to visit new places. They also get trained to be the responsible citizens, who are able to provide first aid, handle weapons and educate others about the functioning of the government, etc.

NCC not only provides you the opportunity to interact with serving officers of the defense forces but also gives you a chance to learn from their years of experiences. During your tenure at NCC you basically live a life similar to that of a defense personnel and hence, understand them much better.

SUO Poonam Bhardwaj
(NCC Senior Under Officer)
B.A. 3rd year

ENGLISH, MY FIRST LOVE



I remember the day when our eyes met.
You were just a book,
ignoring me in the crowd.
It was hard to understand your feelings,
time passed away, did not realize your importance. Suddenly, you came into my life, trying to be the beloved.
Your bright eyes got my heart
The path was full of challenges,
I decided to forget you
But then I realized,
"How can I forget you?"
You were the first love of my life.

Sunakshi Thakur
B.A. 3rd year

LIFE ACCORDING TO ME

A farmer says,
" Hard work is life, so work hard."
A priest says,
" Life is a gift of god, so accept it."
A beggar says,
" Life is a curse, spend it."
A clerk says,
" Life is a file, keep on arranging it."
A photographer says,
" Life is a camera, keep smiling at it."
A soldier says,
" Country is life, live and die for it."
But I say," Life is everything, so don't let failures stay in your heart and success in your mind."

Sheetal
B.A. 3rd year

MANNERS



Manners declare the nature of man. Good manners reveal good nature, bad manners reveal man's ill nature.

Manners are nothing else but man's behavior with others. To behave in a sympathetic way, to speak politely, to act in the right manner and spirit, these constitute good manners when the tone of the speaker is harsh and loud, it creates bad impression on listeners.

If a man is in a company, he should show due regard to others. Good manners are the machinery of life. These traits are essential for man's character. Bad manners spoil the atmosphere of the whole society but good manners make it pleasant. If everyone in the society resolves to mind his ways all our quarrels will come to an end.

Priyanshu
B.A. 3rd year

25 LIFE LESSONS, LEARN IN EARLY 20'S

Health over wealth,
Invest in your education
Have an emergency fund
Multiple income streams
Invest in quality
Practice delayed gratification
Be your biggest cheerleader
Don't compare with others
Go at your own pace
It's okay not to be okay
It's okay to feel lost
Fail early to succeed later
Work consistently not hard
Know when to give up
Pick your fires wisely
Become self sufficient
Prioritize yourself over others
Friendships do not last forever
Relationships are precious
Treasure your loved ones
Time is limited, use it well
Set you boundaries
Take calculated risks
Get out of comfort zone
Embrace the good and bad.

Sheetal
B.A. 3rd year

MAGAZINE



Do you know? What a Magazine is?

Let's find out what it actually is: Famed Google says, "Magazine is a printed or digitally published collection of texts, messages, articles, stories and poems that are produced at regular interval."

According to Oxford Learner's Dictionary, "Magazine is a type of large thin book with a paper cover that one can buy every week or month, containing articles, photographs and so on."

Let's see what most common Collins Dictionary says, "A magazine is a publication with a paper cover which is issued regularly usually every week or every month, and which contains articles, stories, photographs and advertisement."I think, all three definitions look similar to each other. But, my perspective towards magazine is a little different. According to me, "Magazine is simply a collection of different thoughts, feelings, emotions, stories and creativity of different people which are included in a single book."

Sunakshi Thakur
B.A. 3rd year

YES! WE ARE NCC CADETS :

We enjoy *'nigda'* and punishment with fun,
NCC is an organization that makes you learn.
Parade with uniform is our paradise,
We shout loud and have fire in our eyes.
Ranks, medals, lanyards and hackles are some decorations,
Unity and Discipline are the real creations.
Confidence, Comradeship and Bravery is in our blood,
We can stun everyone with our command and bring flood.
We believe in Patriotism, Brother-Hood and Unity,
It shows our love towards our country.
We believe in our power, strength and potential,
It makes us proud Indians
It is not a peace of cake,
To wake up early and do, 100 times
"Doud ke kadam taal" with a rifle in hands,
It requires immense hard work,
alertness, perfection, dedication and confidence.
Do you know how good it feels
When you wear uniform with pride;
When you lead a contingent
And march proudly in front of flag;
Swinging hands, with leading feet,
We celebrate Republic Day
with utmost enthusiasm and zeal.
We forget our pain and always do our best.
Our heart swells with pride and
we feel different from the rest.
We march with high *josh* and salute our flag with pride.
Our smiling faces signify our Dedication and Sacrifice.



SUO Poonam Bhardwaj
(NCC Senior Under Officer)
B.A. 3rd year

TENSE! TENSE! TENSE

Tense! Tense! Tense!
For us,
It makes no sense.
Tense creates suspense.
And makes us dense
It is life fire,
That's why not our desire
It is difficult to know
So, we ignore it like drizzle.
It is very tricky,
And turns us streaky
It is told, in future,
It makes us bold.

Sunakshi Thakur
B.A. 3rd year

TIME



Time is the most valuable thing in life. It has no beginning and no end. It can neither be created nor be destroyed. It is the only thing that never returns once you have spent it. It always flows in a forward direction which means time is irreversible. So, we should never waste time. Most of us know that time can never be brought back, but we still waste time in doing unnecessary things or doing nothing. All successful people respect time and understood the importance of it. To become successful we need to be punctual and need to give respect to time.

Sonal Sharma
B.A. 3rd year

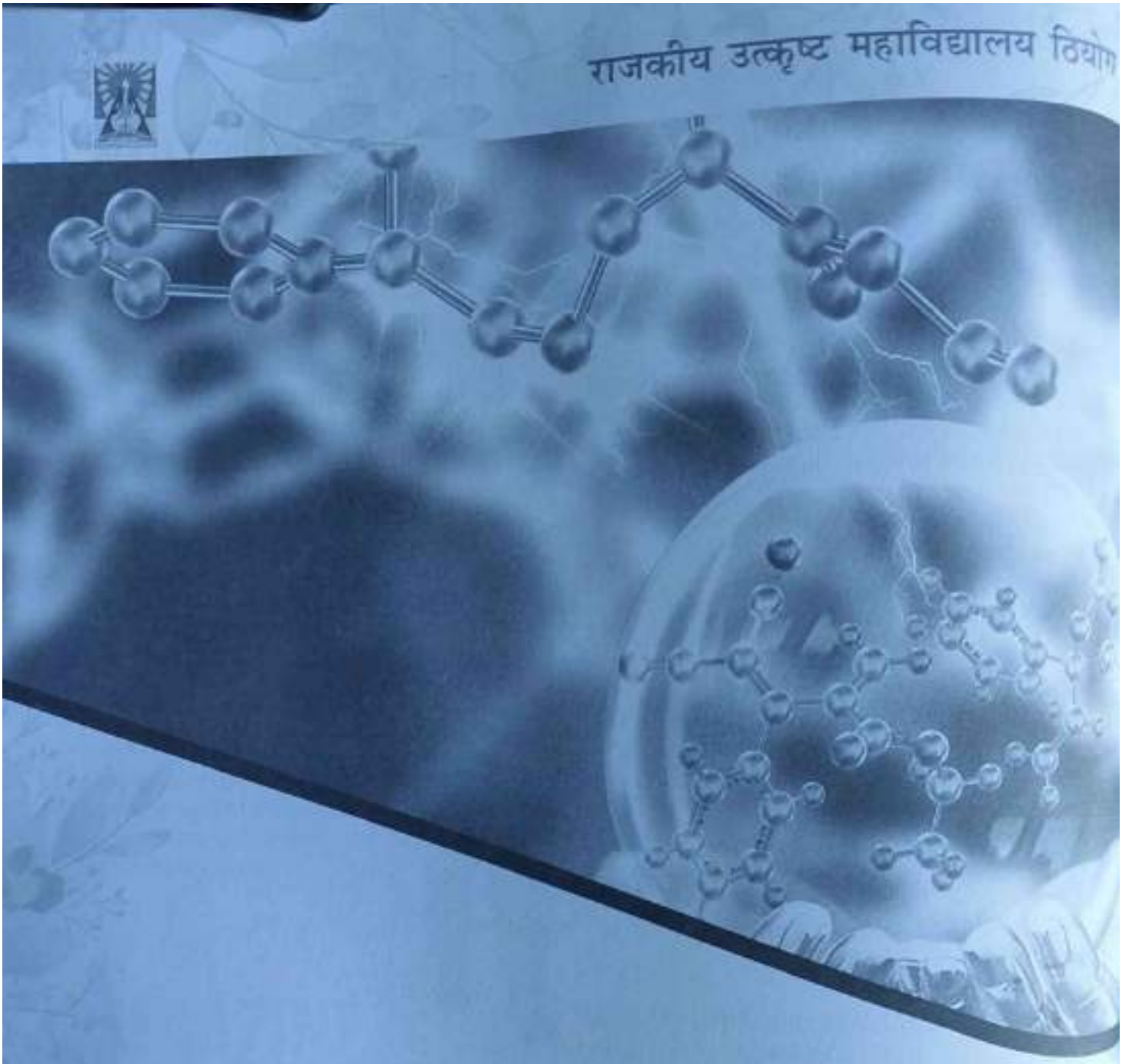

SCIENCE

SECTION

Editorial



Dr. Nidhi Dhatwalia
Teacher Editor

Science is a subject that has been around since the beginning of time, and its importance has only grown over the time. It is essential for us to understand the world around us and how it operates, wherein lies the importance of science. It can help students develop critical thinking skills which are important for problem solving and tackling difficult tasks in life. It can also open up new opportunities by developing technical knowledge that can be used to create innovative products or services. Furthermore, science also helps people to understand their environment better as well as gain an appreciation for nature's beauty and complexity.

The college magazine's science section provides students with an opportunity to explore different aspects of scientific inquiry including their thoughts, news stories about the latest advancements in technology, reviews of scientific experiments, etc. This section aims to give readers a better understanding of science and its importance in our lives today by providing them with informative content they would not find elsewhere. Ultimately, this section should serve as platform for readers to gain insight into what makes science so special - its ability to provide answers that have stood the test of time - while inspiring them to pursue greater heights through endless curiosity and exploration!

I thank all the students for their overwhelming response.

Wishing you all the best.

Science is a way of thinking much more than
it is a body of knowledge - Carl Sagam



Nidhi Sharma
Student Editor

It gives me immense pleasure and honour for being the student editor and presenting the science section of our college magazine.

In this section, the students have expressed their views in a very free manner. The students, with their creative and innovative minds have given their best to showcase their talent in the form of articles, essays, and poems. They are original in writing and approach. Science is a way of life, science is a perspective. Science is the process that takes us from confusion to understanding in a manner that's precise. It was an excellent experience to be a part of this amazing platform.

I would like to express my heartfelt gratitude to our Zoology Prof. Dr. Nidhi ma'am, for her worthy guidance and constant encouragement. With her guidance, this section has done justice to all thoughtful minds, and I would also like to thank and appreciate all those who are a part of this section.

GLOBAL WARMING



Global warming is the unusually rapid increase in earth's average surface temperature over the past centuries, primarily due to the green house gases consisting of methane, nitrous oxide, carbon dioxide and chlorofluorocarbons. The weather prediction is becoming more complex with every passing year and the general temperature hotter, with reasons more indistinguishable. The number of hurricanes, cyclones, droughts, floods etc., has risen steadily since the onset of 21st century. The super villain behind all these changes is global warming.

Causes of global warming

According to recent studies, many scientists believe that following are the primary four causes of global warming:

- Deforestation
- Greenhouse emission
- Pollution
- Carbon emission per capita

Extreme global warming is causing natural disasters, which can be seen all around us. One of the causes of global warming is the extreme release of greenhouse gases that become trapped on the earth's surface, causing the temperature to rise.

The increase in population is one of the major causes of global warming. This increase also leads to increase in air pollution. Automobiles emit a lot of CO2, which remains, in the atmosphere. This increase in population is also causing deforestation, which contributes to global warming

Effects of Global Warming

Global warming is a real problem that many people want to disapprove to gain political advantage. However, as global citizens, we must ensure that only the truth is presented in the media.

This decade has seen a significant impact from global warming. The two most common phenomena observed are glacier retreat and arctic shrinkage. Glaciers are rapidly melting. These are the clear manifestations of climate change. Another significant effect of global warming is the rise in sea level. Flooding is occurring in low-lying areas as a result of sea level rise. Many countries have experienced extreme weather conditions. Every year, we have unusually heavy rain, extreme heat and cold, wildfires, and other natural disasters.

Solutions for Global warming:

Of course, industries and multinational conglomerates emit more carbon than the average citizen. Nonetheless, activism and community effort are the only visible ways to slow the worsening effects of global warming. Furthermore, at the state or government level, world leaders must develop concrete plans and step-by-step programmes to ensure that no further harm is done to the environment in general.

Although, we are almost late to slow the rate of global warming yet, finding the right solution is critical. Everyone, from individuals to governments, must work together to find a solution of global warming. Some of the factors at consideration are pollution control, population growth, and the use of natural resources.

One very important contribution you can make is to reduce your use of plastic. Plastic is the primary cause of global warming and its recycling takes years. Another factor to consider is deforestation, which will aid in the control of global warming. More tree plantation should be encouraged to green the environment. Certain rules should also govern industrialization. Building industries in green zones that affect plants and species should be prohibited.

YOUR BEST

If you always try your best
Then you will never have to wonder
About what you could have done
If you had summoned all your thunder
And if your best,
Was not as good
As you hoped it would be,
you still could say,
"I gave today all that I had in me."



Ashima Sharma
B.Sc. 2nd year

SOME INTERESTING FACTS OF SCIENCE

1. There is enough DNA in the average person's body to stretch from the Sun to Pluto and back 17 times.
2. Grasshoppers have ears in their bellies. Its sound detector is a thin membrane called tympanum.
3. When helium is cooled to almost absolute zero (-466°F or -273°C) it becomes a liquid with surprising properties. It flows against gravity and will start running up and over the lip of a glass container.
4. Octopuses have three hearts, nine brains and blue blood.
5. Hot water freezes faster than cold water
6. The smallest bone in the human body is the stapes bone, located in the middle ear about 11 inches long.
7. Earth's oxygen (50-80%) is produced by the ocean.
8. A cloud can weigh around a million pounds.
9. Bats don't get sick from most viruses because they have plenty of genes responsible for anti-viral activity.
10. Metals like sodium, lithium, rubidium and cesium that are reactive, explode when dropped in water.



Jyotika
B.Sc 3rd year

IMPORTANCE OF SCIENCE EDUCATION



It is not always obvious that science has an impact on our everyday lives, but the truth is that science impacts many decisions we make every day. From taking care of our health and well being, to buy paper or plastic in grocery store or even answering a child's question who asks the reason for the blue sky.

Science is integration with other people that teaches patience and perseverance. It can also help children develop healthy dose of skeptical thinking, educate children on how to think about their surroundings, and make them aware that they can help solving world's issues.

1. **Knowledge:** Science education gives students the opportunity to gain better knowledge about how and why things function. Science teaches children about the world that surrounds them.
2. **Problem Solving Skills:** Science helps children to think rationally and to solve issues.
3. **Boost Critical Thinking:** Concepts in science typically start with an idea and then an experiment that proves the idea using scientific techniques and analysis.
4. **Cultivates Passion for Learning:** Science stimulates natural curiosity that drives learners and inspires them to discover the mysteries of world around them.
5. **Uplifts many Disciplines:** Scientific methodology is built on technical abilities like the careful study of what is happening around you as well as being able to carry out controlled experiments.
6. **Holds the key to Future:** The future generation needs an education in science that will aid them in their preparation for future.

Nidhi Sharma
B.Sc. 2nd year

BLESSING OF SCIENCE



Just about 6,000 years ago, men lived in a cave. He dressed himself in skins. He fed himself by hunting and fishing. He had to make with his own hands everything he needed. He went long distances on his own legs. His world was narrow, dark, difficult and dangerous. Modern man lives a vastly different life. He is comfortably and elegantly housed, fed and clothed. His world is broad, bright, easy and reasonably safe. Old time physical exertion is no longer necessary for him. It is science that has brought about this brave new world, this life of leisure and pleasure. In so far as science has done this, it is a blessing. Let us first look at the bright side of the medal. Science has made wonderful machines. It has discovered marvelous energies which run these machines.

Anjali
B.Sc. 3rd year

MATHEMATICS OF LIFE



Add the opportunities
Subtract the Errors
Multiply the victories
Divide the obstacles
Integrate your caliber
Differentiate your weakness
Inverse the destiny
Simplify the struggles
And solve your life.

Priyanka
B.Sc. 3rd year

STUDENT LIFE



There are different stages in our life. One o these stages is student life. Student life considered as the most important perio in our life. Our future dreams, desires and hope depend upon it. Student life is a period o preparation. It is a period of education. Studen are the future leaders of a nation. The prosperi of a nation depends on its students. Obedienc diligence, regularity and forbearance are th important parts of the student life. Students lear discipline and skills to develop their personality Student life is the best part of our life. Every student must try to make the best use of studen life because, once over it will never come back again.

Krish Bansa
B.Sc 3rd yea

WONDERS OF SCIENCE

Science is a blessing to human beings. It makes our life easier, comfortable and smooth. Scientific information and knowledge empowered humans. It has made dream and imaginations of man true. Science is knowledge about the natural world. By the understanding of science, man has done lots of development in farming, communication, medical science and in almost every field. It is the age of science. Science is nothing but a systematic way of knowledge.

Science has invented many things. Electricity is the greatest invention of science. Modern life is impossible without electricity or without scientific innovations.

Diksha Chauhan
B.Sc. 3rd year

THE POWER OF HAPPINESS



Happiness is a priceless gift in life.
Happiness recharges your energy batteries so you feel excited about what's coming up next in your life.
Happiness makes our lives joyful, comfortable, and meaningful.
Happiness increases your influence-- happy people are contagious and charismatic
Happiness makes you a better friend, partner, parent and colleague.
Happiness helps your immune function and your health, which enables you to live a more balanced fulfilled life.
Happiness reduces daily conflict and avoids argument by adjusting your negativity bias.
Happy people tend to leave a more positive impact on society.
Happiness helps you to follow your dreams and goals.

Krish Bansal
B.Sc 3rd year

AMAZING USES OF PHYSICS IN YOUR DAILY LIFE



Walking: You can walk easily just because of Physics. While you walk in a park or on a tar road, you have a good grip without slipping because of some sort of roughness or resistance between the soles of your shoes and surface of the road. This resistance which is responsible for the grip is called "Friction". Thus, it is possible to walk due to frictional force between the shoes and the surface in contact.

Ball Point Pen or Writing

Whether you are at your workplace or in your school, a ball point pen is your weapon. Had Physics not been there, you would not have able to write with a pen on paper. In this case, the concept of gravity comes into play. As your pen moves across the paper, the ball turns and gravity forces the ink down onto the top of the ball, where it is transferred into the paper.

Priyanka
B. Sc. 3rd year

MATHS MATHS MATHS



Mathematics is full of fun
With so much to learn
Profits are added
While losses are subtracted
Degrees are multiplied
And percentage is divided.
Geometry is full of mystery
Algebra has big history.
Integers as different as brothers
Lines on parallel angles are similar
Maths is necessary in life
Without it, it is difficult to survive.

Priyanka,
B.Sc. 3rd year

SOME INTERESTING FACTS

- Sun accounts for 99.9% of the mass of the solar system.
- Mercury is the smallest planet.
- Jupiter is the largest planet.
- Alpha Centaury is the nearest star to our solar system (about 4.3 light year)
- Cirrus, the brightest star, is about 8.7 light year away from us.
- Only Earth has life on it among all the planets in our solar system.

Shalu Khachi
B.Sc



AIDS

AIDS stand for Acquired immune deficiency syndrome. As the name suggests it is a "Syndrome" which means it is a collection of 70 or more symptoms, infections and conditions which result from the damage that a particular virus does to the body's in-built ability to fight off various kinds of diseases.

The world health organization (WHO) has predicted that four crore persons will be infected with the AIDS virus HIV by the year 2000. The virus that aids in the transmission of the diseases is human immune-deficiency virus is called HIV. Due to the same property of immune-deficiency, it is referred to as HIV/AIDS.

Since it affects the immune system severely, the cell and the working of it in our body must be clearly understood. The immune system's role in the body is that of a soldier where it identifies any sort of anomalies that enters or infiltrates the body and prepares antibodies against it and kill them in order to prevent infection that has a probability of causing a harmful disease.

Since the cells of the immune system have already created the antibodies, the cell memory is activated when the entry occurs again and the immune system fights and destroys such foreign and harmful matter.

WHAT HAPPENS WHEN HIV ENTERS THE BODY

When a person is infected with the human immune deficiency virus, it directly attacks the immune system making the cells weak and incapable of creating antibodies for this particular virus. As they become weak their function to perform the task of defending against other micro-organism entrants is also weakened.

When the fighter in our bodies becomes weak, we are more likely to fall ill. The illness can be a simple flu or an allergy which our body cannot fight any further. The symptoms once infected will start to appear within the first two weeks. These symptoms include sore throat, fever, and the risk of tuberculosis and herpes also increases. Some people however remain asymptomatic even for longer periods after being infected with the virus. Education of people and attention of the government is needed to curb AIDS.

Anchal
B.Sc





A GOOD HUMAN BEING

Every person has different way of thinking but in my opinion I am going to share few lines on "A Good Human Being".

It is not important how much money you make or how expensive cloths you wear. What really matters is what you contribute to your society. It is important to achieve your aim or goal in life but it is more important to be a good person in life. Nowadays people are busy in their own works. Nobody cares about others. As a good human being it is our responsibility to help each other in good or bad situation.

Bhanu, B.Sc.

THE GREATEST SCIENTISTS OF INDIA

"The Science and Scientist of India are Great."

Science is an important part of our everyday life, even more so than we notice. From our fancy gadgets to the technologies we can't live without, from our humble light bulb to space explorations, it is all gift of science and technology.

How often, do we think about those extra ordinary minds who have made life easier for us. In this article I will mention the Great Indian Scientists who achieved global recognition.



C.V. Raman: Chandrasekhare Vemkata Raman won the Noble Prize for Physics in 1930 for his pioneering work on scattering of light. He was born in Tiruchchirappalli, and was the first Asian and first non-white to receive the Noble Prize. He discovered that when light traverses a transparent material, some of the light changes in wave length which deflects. This phenomenon is now known as "Raman Scattering". He collapsed in his laboratory in 1970. Somehow, he survived and after a few days he refused to stay in the hospital as he preferred to die in the gardens of his institute surrounded by flowers.



Homi J. Bhabha: Born on October 30, 1909 in Bombay, Homi Jehangir Bhabha played an important role in the quantum theory. He is also called the father of Indian Nuclear power. He was the first scientist to convince the notional leader to stand the ambitious nuclear programme. He was the first chairman of the atomic energy commission of India. He suggested that the production of an atomic reactor should be used to lessen Indian's misery and poverty. He died when Air India flight, 101, crashed near Mount Blanc on 24 January 1966. Many possible theories of the crash came up. including a conspiracy theory in which Central Intelligence Agency (CIA) is also involved in order parole India's Nuclear Program.



Vikram Sarabhai: Considered as the Father of India's space programme. He was born on 12 August 1919 in Ahmedabad (Gujrat). He played a key role in setting up of the India Space Research Organization. He was awarded Padam Bhushan in 1965 and the Padam Vibhushan after his death in 1972. Everyone knows his role for ISRO, perhaps many of us do not know that he was also the force behind the establishment of many other Indian institutes of repute, most notably the Indian Institute Management (IIM-A) and the Nehru Foundation for Development. On behalf of his name and contribution for Indian space, research ISRO has Vikram Sarabhai Space Center.

Today India has achieved many things in every field. DRDO, ISRO, HAL are far ahead in developing many things and finding new technology of India. Few are INS Vikrant, Tejas fighter aircrafts are made in India and most powerful missile Bhramas is jointly made by India and Russia.

Dikshit Kaimthla
B.Sc. 3rd year

WATER CAN FREEZE AND BOIL AT THE SAME TIME

It is a phenomenon called triple point, which occurs when the pressure (4.58mm Hg) and temperature (0.01°C) are perfectly set for the three states of a substance - solid, liquid and vapor to co-exist with equilibrium.

Anshika Chandel
B. Sc 3rd year

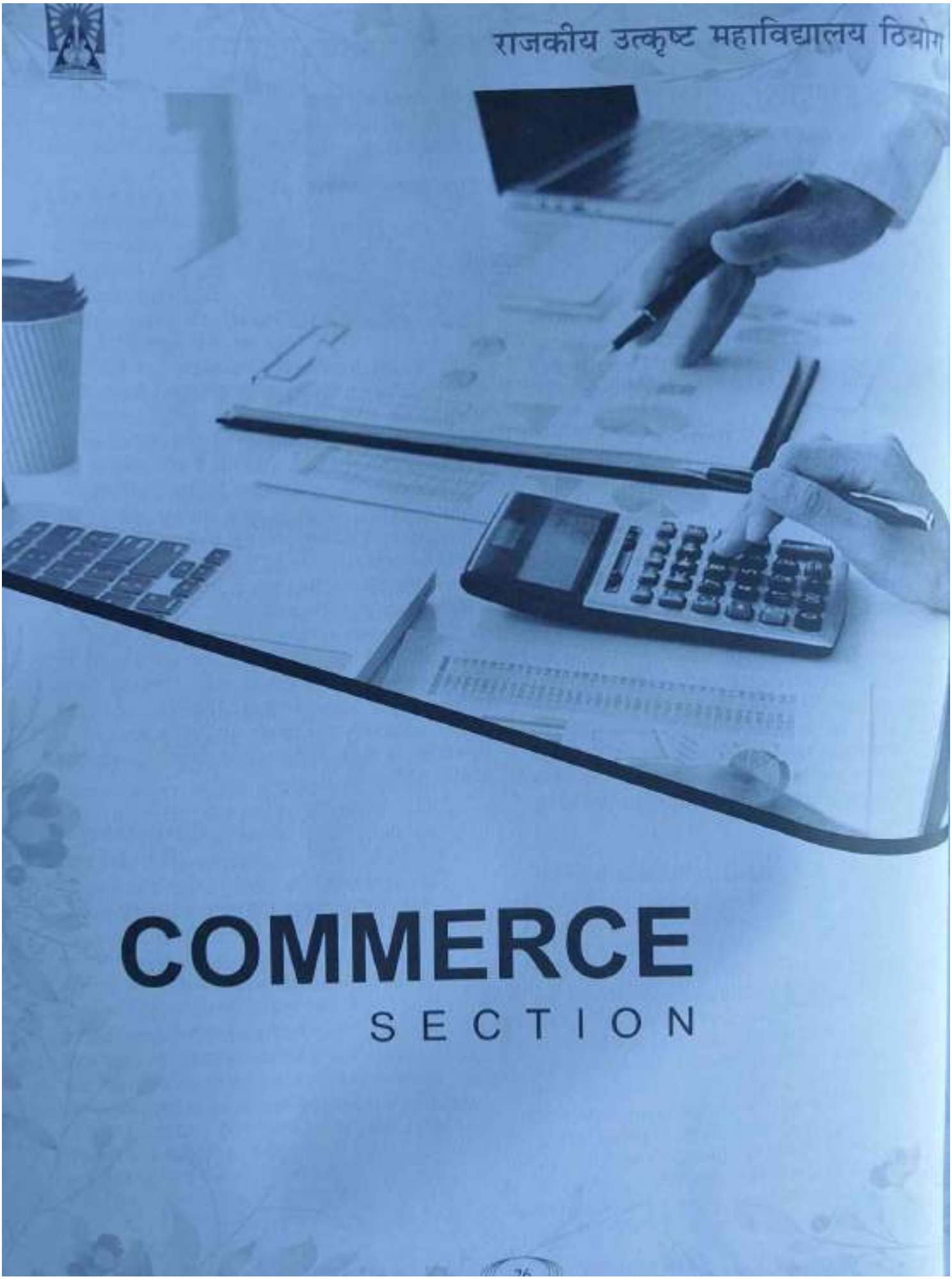
राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय ठियोग
COMMERCE
SECTION



Dr. Neeraj Sharma
Teacher Editor



Avantika Sharma
Teacher Editor

Commerce Is The Cure
For The Most Destructive Prejudices.
-Bill Vaughan

Being the student editor, it is indeed a great pleasure for me to present before you the commerce section of our college magazine. This magazine aims to highlight some of the important issues that affect the business world , its trade and commerce. It is necessary to have commerce knowledge because *Commerce Is The Core Component of Any Successful Society.* With a lot of informative stuff the magazine also has fun section for the readers. In this section of college magazine the student have expressed their views in frank manner.

The magazine would not have been possible without the guidance of my department teachers. I would like to extend my heartfelt gratitude to my Prof. Dr. Rajesh Dhorta and Dr. Neeraj Sharma for their constant support and encouragement.

The editorial board has put in all their sincere efforts to bring forward the best to the readers. I hope you will enjoy reading this edition and continue supporting the editorial board to carry forward this legacy.

Words Are Singularly The Most Powerful Force Available To Humanity -Yehuda Berg

UNEMPLOYMENT



Problem of unemployment and under employment is a very grave and complex problem in India. Unemployment is wide spread in the country. Problem of unemployment has taken a serious turn and there is an apprehension of its becoming more grim in the future. Unemployment is a curse. It symbolises poverty of an individual, decay of a society and loss of human resource of a nation.

Unemployment refers to a situation in which skilled and talented people want to do a job but cannot find a proper job due to several reasons. The various types of unemployment includes: disguised unemployment, seasonal unemployment, open unemployment etc. Besides these, there are some other types of unemployment like cyclic unemployment and education unemployment.

In a country like India, there are many reasons for a large section of the population for being unemployed. Some of these factors are: population growth, slow economic growth, seasonal occupation, slow growth of the economic sector and fall in the cottage industry. Due to over population and lack of proper skill, there is a problem of unemployment in India.

The Government has taken the problem very seriously and has taken measures to slowly reduce unemployment. Some of these schemes includes: IRDP (Integrated Rural Development Programmes) Training For Self Employment, Employment Guarantee Scheme, *Jawahar Gram Samriddhi Yojana* and a few more. Besides these schemes, the Government has also framed some flexible rules, so that employment can be created in the private sector also.

To conclude, we can say that the problem of unemployment in India has reached a critical stage. But now the Government and local authorities have taken the problem seriously and working on it.

Babita Sharma, B.Com. 3rd year

AN ENTREPRENEUR



An entrepreneur is a person who takes the risk of setting a new business venture. He is the artist of the business world. He is one who takes up the basic idea of setting up of a business and converts that idea into actual business. First of all, he finds new opportunities in the market, develops a business plan and makes arrangements of various resources. The plan includes a detailed description of the product or service, a marketing strategy, a financial plan and a timeline for achieving goals. Then he takes the risk and makes decisions that may not be popular. Entrepreneurs understand that failure is not an option but it is a part of success and they are willing to learn from their mistakes. A successful entrepreneur has a positive attitude and is able to stay motivated even when he faces challenges. He builds relationships with potential customers, partners and investors. Hence, an entrepreneur is a creative, innovative, optimistic, person who has a strong desire to achieve success. Ritesh Agarwal, N.R.Narayan Murthy, Ratan Tata, Gautam Adani, Mukesh Ambani and others are the examples of successful entrepreneurs.

Kajal Vishwa
B.Com 3rd year

WHY SHOULD ONE STUDY COMMERCE?



The commerce stream after completion of class 10th is quite a popular choice in India. Most students feel that the stream offers them a wide area of career options, after the completion of plus two, that would bring them both success as well as financial security easily. However, what most students do not realise is that just as in the case of the science stream, a student should also possess a certain aptitude for commerce so as to generate the interest in the subject.

Commerce as a stream of education can be defined as a study of trade and business activities as a whole within a nation or worldwide. The core subjects that are taught in commerce are accountancy, business studies, economics and financial management, which later become the base of commerce. It is a complex study area based on methods, principles, practices and formulas which make it different from the other subjects. One should need to think about their choice before opting for commerce because it is not a cup of tea for all. Commerce as a career choice is a fast gaining importance in India. Studying commerce allows a student to understand how business activities influence the society and the economy directly and indirectly. As such, Commerce is said to be the way that changes the fate of nations.

Smriti Sharma
B.Com. 3rd year



BLACK MONEY

Black money arises mainly from incomes not disclosed to the government usually to avoid taxation, and sometimes, because of its criminal links.

Size of India's economy

In 2011, the government had commissioned a joint study by three think-tanks – NIPFP, NIFM, NCAER, to estimate Indian entitie's unaccounted wealth both at home and abroad. The final report has not been submitted. India ranked fifth largest exporter of illicit money between 2002-2011, with a total of $343.04 billion, and in 2011 it was placed third when $84.93 billion was sent abroad.

According to global financial integrity (GFI), a Washington base think-tank, Indian salted away $462 billion (about Rs. 28 lakh crore in current exchange rates) in overseas tax between 1948 to 2008.

Priya Sharma
B. Com. 2nd year



Tax tax what a faux
Tax tax never to relax
yet tax is always a must.
We have sales tax, service tax,
We have road tax and house tax
yet we have to pay the income tax
You have to pay tax on the expenses
you have to pay tax on the income
yet again there is always a deficit budget.
In a business you are taxed after the expenses
In a job you are taxed before you get your income
yet the benefits you get are nothing but none.
Sometimes tax is called a duty
Sometimes duty is called levy
Yet if you do not pay in time you pay a huge penalty.

Ankit Sharma
B.Com 2nd year

BANKING SYSTEM IN INDIA



In India, bank and banking have been divided into different groups. Each group has their own benefits and limitations in their operations. They have their own dedicated target market. Some have concentrated their work in rural sectors while others in both rural as well as urban. Most of them are only catering in cities and major towns. The banking system plays an important role in promoting economic growth; not only by channelizing saving into investment but also by improving allocative efficiency of resources. The recent empirical evidence in fact suggest that banking system contributes to economic growth more by improving the allocative efficiency of resources from savers to investors. An efficient banking system is now regarded as a necessary pre-condition for growth. Banking development in India has been by and large a state induced activity.

POVERTY



Poverty is the condition where the basic needs of a family like food, shelter, clothing and education are not fulfilled. It can lead to other problems like poor literacy, unemployment, malnutrition etc. A poor person is not able get education due to lack of money therefore remains unemployed. An unemployed, person is not able to buy nutritious food so, his health declines. A weak person lacks the energy required for the job. A jobless person remains poor. All these are because of poverty.

Poverty is not natural, it is manmade. There are various causes of poverty but most important is population. It is difficult to provide proper food, shelter and employment to the rising population. The other causes are lack of education, war, natural disaster, lack of employment, lack of infrastructure, political instability etc. so, we can say poverty is the worst form of violence.

Avantika Sharma
B.Com 3rd year

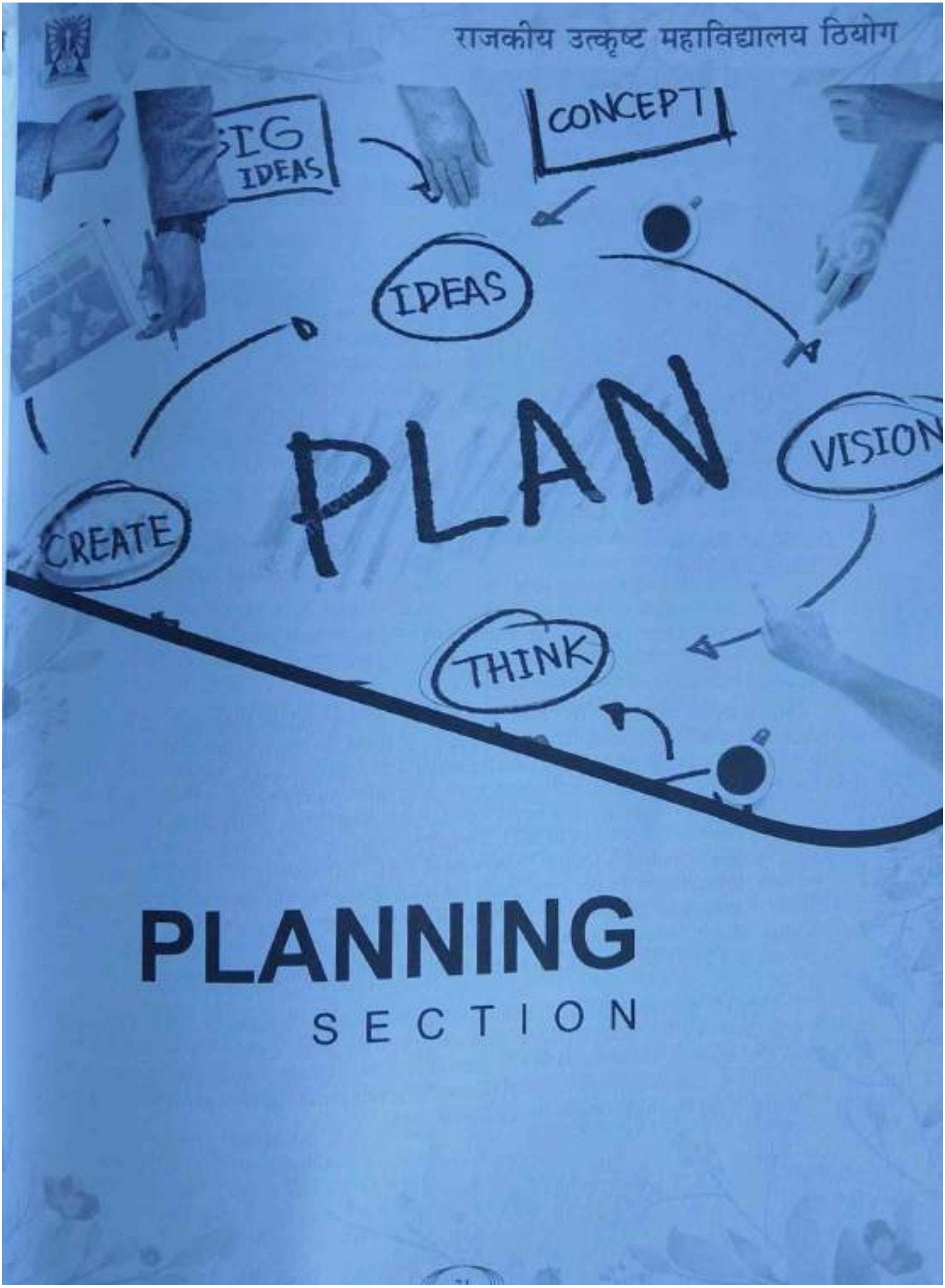
राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय ठियोग
IDEAS
CONCEPT
IDEAS
PLAN
VISION
CREATE
THINK
PLANNING
SECTION

Editorial



Dr. Satish Kumar
Teacher Editor



Kanwar Harshdeep Singh
Student Editor

Dear friends

I am grateful to be part of "Planning Forum" of the college magazine. Planning in general is the process of formulation and execution of plans. In order to achieve certain goals and objectives we need to plan the process for better and desired results. Indian economy has opted out for a planned development model and has achieved milestones over the years. India is one of the fastest growing economies in the world. According to the World Bank, the country's GDP grew at a rate of 8.7 per cent in 2021. The services sector is the largest contributor to the Indian economy, accounting for about 55 per cent of the GDP, followed by industry sector at 28 per cent and agriculture at 17 per cent. India has a large and rapidly growing market, with a middle-class population. However, the country still faces challenges such as poverty, inequality and unemployment. Inflation in India has remained under control, with the consumer price index averaging 5.1%. The Reserve Bank has projected India's economic growth at 6.4 per cent for 2023-24.

The aim of "Planning Section" in this college magazine is to make the readers aware of India's economy. All the students have tried their best to present their views through this magazine. On behalf of all the students of Economics of our college, I would like to express my sincerest gratitude to our teacher Dr. Satish Kumar for giving me this golden opportunity and for his efforts in guiding and inspiring us throughout the year.

KCC

FOR ALL FARMING NEEDS: HOW KISAN CREDIT CARDS WORK?



In 1998, the national democratic alliance government launched *kisan* credit card (KCC) to help farmers get access to institutional credit. The Reserve Bank of India's year 2019's report of the internal working group laid out the card's aims at "providing adequate and timely credit support from the banking system under a single window". For farmers, "Overall credit requirements such as cultivation of crops, post-harvest expenses, marketing, of produce, maintenance of form assets, activities allied to agriculture and also consumption requirement of farmer households."

KCCs cover all category of farmers, but are particularly helpful to those who are categorized as marginal and small. With landholding, up to 2 hectares, constitute over 86 per cent of India's farmers according to the agriculture census 2015-16.

KCC is issued for a term of five years and can be renewed. Farmers and farming collectives, such as landed cultivators and farming collectivizes, such as landed cultivators, tenant farmers, agricultural laborers and self help groups, are eligible for KCC. As of 2022, there are over 73 million operational KCC cards, the union minister of the state for finance told the Lok Sabha in April 4, 2022.

The KCC credit limit/loan amount is fixed by banks as per guidelines prescribed in RBI's master circular dated July 4,2018. As a concept, KCC works like any other credit card, but has several advantages. The rate of interest in case of default payment is 7% against the common credit cards, where the figure can exceed 20 per cent.

Moreover, timely payment of dues attracts government subsidy of 3% so, the effective rate of interest amounts to 4%. The KCC credit cycle is also of six months against the usual monthly cycle of the average credit card.

The process of getting KCC can last about a month. An applicant has to approach the bank for the card and has to produce the record of landownership, tenancy or a witness in case the applicant is an oral lease.

Bank verifies the documents and inspects the land to decide the card limit (loan limit) on the applicant's profile and risk assessment. KCC also does not have an upper limit loans taken by big farmers, it can run into crores of rupees.
Farmers cannot fix the entire credit limit in the first year itself. The limit rises by 10 per cent every year to reach the maximum amount in the fifth year.

In practice, landless farmers rarely get KCC. RBI's 2019 report quotes , "In the absence of a proper legal framework and lock of records relating to their agriculture activity; tenant farmer/share croppers/ oral lessees/landless laborers face difficulty in accessing institutional credit."

As per its master circular of 2018, RBI has also asked banks to provide a magnetic strip to KCC farmers. As per the data provided by the State Bank of India under the Right To Information act, 2005 only about 60% of its KCC holders have been given magnetic strip credit cards. Most of the people get the money in their KCC accounts and a check from the bank for the loan.

Shalu Jamalta
B.A., 2nd year

राष्ट्रीय जनसंख्या नीति

जनसंख्या नीति से अभिप्राय उन कानूनी, प्रशासनिक प्रोग्राम तथा अन्य सरकारी प्रयत्नों से है जिनका उद्देश्य जन्म दर में कमी लाना तथा जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाना है। भारत में जनसंख्या की वृद्धि दर को कम करने के लिए तथा लोगों के जीवन में सुधार लाने के लिए राष्ट्रीय जनसंख्या नीति बनाई गई। इस नीति को समय-समय पर संशोधित किया गया तथा इसके क्षेत्र को व्यापक बनाया गया।

1976 की जनसंख्या नीति

भारत सरकार ने 16 अप्रैल, 1976 को एक व्यापक जनसंख्या नीति को अपनाया। इस नीति का उद्देश्य जन्म दर को 35 प्रति हजार से कम करके 25 प्रति हजार करना था। इस नीति में जनसंख्या नियंत्रण के लिए सख्त कदम उठाए गए। इस नीति ने लोगों को, छोटे परिवार के प्रति जागरूक किया।

1977 की संशोधित जनसंख्या नीति

1977 में भारत सरकार ने 1976 की जनसंख्या नीति को संशोधित करके संशोधित नीति को अपनाया। इस नीति में सरकार ने परिवार नियोजन को नीति का नाम बदल कर परिवार कल्याण कर दिया था। इस नीति के अंतर्गत बच्चों की देखभाल तथा अधिकारों पर भी ध्यान दिया जाएगा।



सन् 2000 की नई राष्ट्रीय जनसंख्या नीति

भारत सरकार ने 15 फरवरी, 2000 को नई राष्ट्रीय जनसंख्या नीति की घोषणा की थी। इस नीति के अनुसार "सरकार जनता द्वारा स्वेच्छा तथा बिना किसी जोर जबरदस्ती के प्रजनन तथा स्वास्थ्य रक्षा सेवाओं के प्रयोग के लिए तथा परिवार नियोजन सेवाओं को लागू करने के लिए वचनबद्ध है।"

लक्ष्य:-

सन् 2045 तक जनसंख्या की वृद्धि दर को शून्य करना।

सन् 2012 तक शिशु मृत्यु दर को कम करके 28 प्रति हजार करना।

मातृत्व मृत्यु दर को 1 प्रति हजार से कम करना।

2010 तक जन्म दर को कम करके 21 प्रति हजार करना।

2016 तक जनसंख्या को 126.4 करोड़ तक सीमित करना।

वीरेन्द्र

बी.ए. द्वितीय वर्ष

INDIAN ECONOMY



India is the 5th largest economy in the world in terms of nominal GDP. India's economy has been projected to be $ 5 trillion by 2024. India's economy is the third largest economy on the basis of purchasing power parity. Indian economy is made up of the service sector, agricultural sector and manufacturing sector distributed across the length and breadth of the country. The service sector contributes more than 53% to the Indian GDP. The agriculture sector in the country provides the highest employment in rural India. The agriculture sector contributes more than 20% to the Indian GDP and the contribution of the manufacturing sector of GDP is currently at around 16%. The economic growth of India remained positive due to the presence of youth.

Lalit Sharma
B.A. 3rd year

RURAL UNEMPLOYMENT



In early days the problem of unemployment was not as severe as it is today. Most people lived in villages and they were engaged in agriculture to earn their livelihood. But, with the advancement of civilization, machines with modern technologies have been introduced. And this industrial civilization has brought about a change in the sphere of employment. India's is an under-developed though, a developing economy. The nature of unemployment, therefore, sharply differs from the one that prevails in industrial advance countries. Lord Keynes attributes the cause of unemployment to a deficiency of effective demand. But, in India, unemployment is mainly due to shortage of capital, the poor exploitation of the natural resources and inadequate employment opportunities. The unemployment in our country has already reached an alarming stage and still the number is increasing every year. A large number of people though willing to work find no scope for employment, since India is basically a country of villages.

Jyoti Dhiman, B.A. 2nd year

UNEMPLOYMENT

Unemployment is a very serious issue not only in India but in the whole world. There are hundreds and thousands of people out there who do not have employment. Unemployment is a situation in which skilled and talented people want to do a job but, cannot find a proper job. In H.P. unemployment rate is 9.2% at present.
In India unemployment is 6.56% in urban 7.68% 7.68% and in rural 6.04 & in 2022.

Jannat Chauhan, B.A. 2nd year

PROBLEM BEFORE INDIAN ECONOMY

Before 90's, India used to be a closed economy. Each and every economic activity was under the control of government. However, after the formation of " New Economic Policy 1991", India adopted the concept of Liberalization, Privatization and Globalization, which solved many problems of the economy. But, there are still some problems, which Indian economy is facing.

Unemployment:
Unemployment is one of the hot topics which is generally discussed in India. Right now, India's unemployment rate is 6.55 as per NSSO's 16th round survey. However, a report by OECD found over 30% of the people aged 15-29 under unemployment.

Poor educational standard:
There is still high level of illiteracy among the population. It is worse amongst women and in rural areas. India's literacy rate for 2018 was 74.37%, which increased by 5.07% from 2011.

Poor Infrastructure:
Even today, many Indian's lack basic amenities. Indian public services are creaking under the strain of bureaucracy and inefficiency. Over 40% of fruit rots before reaching the market.

Large budget deficit:
India has one of the large budget deficits in the developing world. Excluding subsidies, amounts nearly 8% of GDP. India also only manages to collect 12% of GDP in tax making it one of the lowest in the world.

Inefficient agriculture:
Agriculture produces 17.4% of economic output. Over 51% of the work force is employed in agriculture. This is the most inefficient sector in the economy.

Rising oil prices:
As an importer of oil, India's economy is sensitive to increase in the price of oil. The high price oil in 2021-22 will worsen India's current account deficit and will put pressure on consumer prices. Here, we can take the example of Maruti to increase the prices of its cars by 20%, all because of increasing oil prices, which directly affects cost of production.

Conclusion:
There are still many other problems, which India is facing. These problems are also hindering the pace of economic growth. So, the conclusion is that if India wants to get the tag of a developed nation, it has to solve these problems.

Harshdeep Singh
B.A. 3rd year

KISAN CREDIT CARD

Kisan Credit Card *yojna* is a scheme that offers short-term, revolving credit to farmers across India. It was launched in August 1998 in a bid to mitigate any financial shortcoming experienced by farmers during crop cultivation, harvesting and main tenancy of their produce.

Benefits
Farmers receive on ATM cum credit card that can be used to withdraw cash from ATMs.
KCC comes with a 12 monthly repayment period, which offers adequate time to pay off any debt. The limit for KCC is determined on the basses of the crops cultivated. The scale of finance and maintenance expense for marginal farmers (a flexible limit of Rs. 10,000/- to Rs. 50,000/-) is provided. The maximum limit of *Kisan* Credit Card can increase every year after an annual review. Farmers with good repayment history get incentives with a higher credit limit, to tackle inflation.

Jyoti
B.A. 2nd year

GST

1. GST is a new system adopted in India since 1st April 2017.
2. All the earlier indirect taxes are now replaced by GST.
3. GST was first adopted by France, later many countries joined it.
4. GST is a good system to avoid corruption in the tax regime.
5. 0%, 5%, 12%, 18% and 28% are the five stats of GST.
6. All the services and goods fall in the different GST slabs.
7. CGST, SGST and IGST are the three types of GST in India.
8. GST is paid by the final consumer of the goods.
9. GST is a completely online process and hence easy to adopt.
10. The state government may suffer losses due to GST.

Tanu Dogra
B.A. 3rd year

BALANCE SHEET OF OUR LIFE...

My parents are my opening stock
What comes to you is credit
What goes from you is debit
Your ideas are assets
Your views are your liabilities
Your happiness is your project
Your sorrow is your loss
Your soul is your goodwill
Your duties are your outstanding deeds
Your knowledge is your earning
Your mind is your bank balance
Bad thinking you should
Always depreciate

Jannat Chauhan
B.A. 2nd year

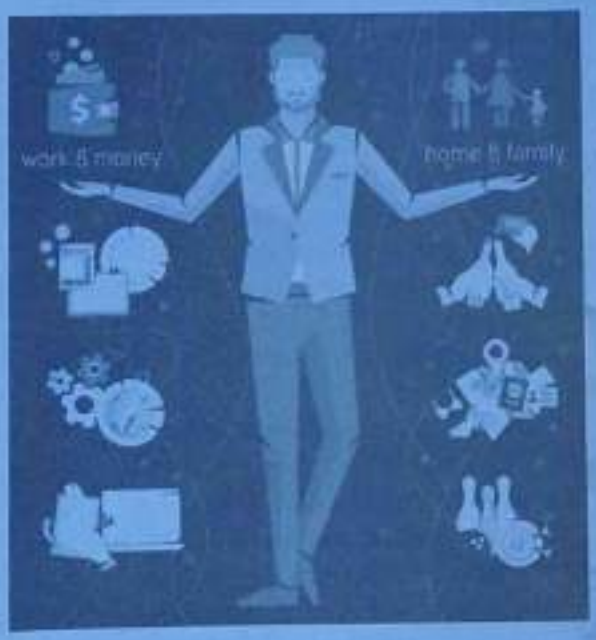

भारतीय अर्थव्यवस्था

- भारत मुख्य रूप से एक कृषि अर्थव्यवस्था है।
- सार्वजनिक क्षेत्र व निजी क्षेत्र में भारतीय अर्थव्यवस्था को विभाजित किया गया है।
- बाहरी स्त्रोतों से सेवाएं प्राप्त करने वाली कंपनी हमारी अर्थव्यवस्था के लिए सबसे बड़ा वरदान रहा है।
- बेहतर कमाई की कोशिश में बड़ी संख्या में लोग कृषि क्षेत्र से औद्योगिक क्षेत्र में स्थानांतरित हो गए हैं।
- हमारे पास कई उद्योग है जो बड़ी मात्रा में कच्चे माल के साथ-साथ तैयार माल का निर्माण करते हैं।
- भारतीय अर्थव्यवस्था स्वतंत्रता के बाद से कई सकारात्मक बदलावों से गुजर रही है।
- हमारे देश के ग्रामीण क्षेत्र अभी भी विकास के क्षेत्र में पिछड़े हुए है।
- भारत पूरी दुनिया में दूध, दाल और जूट का सबसे बड़ा उत्पादक है।
- देश में कृषि क्षेत्र ग्रामीण भारत में सबसे अधिक रोजगार प्रदान करता है।

तनु डोगरा, बी.ए. तृतीय वर्ष

DEMONETISATION: IMPACT ON ECONOMY

Introduction:

Demonetization refers to the act of stripping a currency as legal tender. In demonetization the current form of money is removed from circulation and revised. It is an economic process in which a country's currency unit is no longer legal tender. A currency unit is what we could commonly refer to as physical money such as bank notes and coins. The honorable Prime Minister Narender Modi ji announced demonetization in India on November, 8 2016 where 500 and 1000 Rs. notes were withdrawn from circulation.

Positive impact of demonetization of Indian economy:

1. **Check on food inflation:** Owing to a substantial withdrawal of currency in circulation, demonetization led to a check on food inflation in the economy. Liquidity crunch led to a substantial fall in stock piling food grains. Adoringly, there was a sharp fall in food inflation by about 240 basic points between November 2016-January 2017.
2. **Elimination of currency:** There was 100% elimination of fake currency from the economy. The racketeers of fake currency were badly hurt just with one stroke of the government.
3. **Surge in cash deposits:** There was a surge in cash deposits in *jan dhan* accounts. This prompted financial inclusion to its top gear. According to RBI estimate, Rs.11 lakh crore was deposited in the banks following demonetization.
4. **Realization of overdue:** People rushed to clear their overdue related to bank loans, property tax; electricity bills etc. because the government provided a window of clearing the old dues by using the old currency.
5. **Push towards digitalization:** With cash almost disappearing from the market, people were driven to digital modes of transactions. This was a big move towards cash less economy. It also promoted banking habits of the people.

Negative impact of demonetization on Indian economy

- A deep hurt to economic sentiments: The idea of banning nearly 86% of currency in circulation led to a serious hurt in the monetary base of the country. The monetary base declaimed from Rs. 22 trillion to Rs. 3.7 trillion and this caused a deep hurt to economic sentiments in the domestic economy. Consequently following demonetization, all parameters of economic activity (production consumption, investment and exchange) raised a big jolt. The producers planned lesser output, consumers planned lesser consumption, investors planned lesser investment and exchange started shrinking and there was an environment of economic slowdown.
- Large scale lay off in unorganized sector: nearly 90% of the workforce in India is engaged in informal sector in order to earn their livelihood and they are highly cash dependent and cash sensitive. There was a large scale lay off in unorganized sector and daily wage earners lost their jobs immediately after demonetization.
- Dent in GDP growth: According to most estimates including one by honorable Man Mohan Singh (the former PM of the country), there was nearly a 2% decline in country's GDP growth as a consequence of demonetization.

Harshdeep Singh
B.A 3rd year





संस्कृत विभाग



डॉ. राकेश शर्मा
अध्यापक संपादक



मुस्कान शर्मा
छात्रा-सम्पादकीय

सर्वेभ्यो नमो नमः संस्कृत विभागस्य सम्पादकीय कुर्वतोऽहं हर्षमनुभवामि। संस्कृतभाषा प्रायः विश्वस्य सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा। प्राचीनकाले भारतवर्षे एषा भाषा लोक-भाषा आसीत्। अस्मिन् भाषायां साहित्ये भारतस्य पुरातनः इतिहासः सुरक्षितोऽस्ति, नात्रसन्देहावसरः। अस्माकं धर्मः भूतं, भविष्यञ्च सर्वं सुसन्निहितमस्ति। अतः भारतीय संस्कृतेः रक्षायै ज्ञानवर्धनाय च संस्कृतभाषा अवश्यमेव अध्येतव्या। अस्मिन् अनुभागे यैः यैः छात्रैः लेखं-कवितां दत्वा मौलिक लेखनस्य परिचय दत्तः, तान् प्रति मम धन्यवादं तथा च आशास्मै यते भविष्येऽपि एतादृशानां रचनानां कृतीनां सृष्टिं कुर्वन्तु।

अन्तेऽहं सर्वेषां छात्राणां, शिक्षकानां, प्राचार्यमहोदयानां, विशेषतः संस्कृताध्यापकः डॉ राकेश शर्मा महोदयानां च धन्यवाद ददामि।

नित्यं कर्तव्यम्



प्रातः काले ईशं स्मृत्वा पितरौ प्रणमामि। नित्यं कर्म च कृत्वोद्यानं गत्वा विचरामि। स्नानात् पूर्वं प्राणायामं, तदनु व्यायामम्। वृष्टिर्भवतु वा झञ्झावातो, हिमं पतेत् कामम्। गृहमागत्य दुग्धं पीत्वा पठामि निजपाठम्। ततो भोजनं करोमि नित्यं, षड् रस संयुक्तम्। विद्यालये च गुरूवर्याणां, करोमि सम्मानम्। श्रद्धायुक्तो भूत्वैवाहं अर्जयामि ज्ञानम्।

नीतिका
बी.ए. द्वितीय वर्ष

संस्कृतभाषायाः महत्वम्



संस्कृत भाषा अस्माकं देशस्य प्राचीनतमा भाषा अस्ति।
संस्कृतभाषा भारतराष्ट्रस्य एकतायाः आधारः अस्ति।
संस्कृतभाषैव भारतस्य प्राणभूताभाषा अस्ति।
चत्वारो वेदाः रामायण, महाभारतः,
भगवद्गीता इत्यादि ग्रन्थाः संस्कृतभाषायां एवं विरचितानि।
प्राचीनकाले सर्वेजनाः संस्कृतभाषाम् एव वदन्ति स्म।
आधुनिक भाषाविज्ञानमपि एतदेव सनिश्चयं प्रमाणयति।
भारतीयधर्मदर्शनादिकाना प्रसारिका अस्ति।
प्राचीनकाले एषैव भाषा सर्वसाधारणा भाष आसीत्।
आधुनिक भाषाविज्ञानमपि एतदेव सनिश्चयं प्रमाणयति।
संस्कृतभाषायाः महत्वम् विज्ञाय सर्वे एषाः
भाषा पठनीया सर्वत्र च प्रसार करणीया।।

पूनम शर्मा,
बी.ए. प्रथम वर्ष



विद्यार्थी लक्षणम्

काक चेष्टा वकोध्यानम् श्वाननिद्रा तथैव च,
अल्पाहारो गृहत्यागी, विद्यार्थिनः पंच लक्षणम्।।
सुखार्थिनः कुतो विद्या, विद्यार्थिनः कुतो सुखम्।
सुखार्थी वा त्यजेत् विद्या, विद्यार्थी वात्यजेत् सुखम्।।
आलस्य कुतो विद्या, अविद्यस्य कुतो धनम्।
अधनस्य कुतो मित्रम्, अमित्रस्य कुतो सुखम्।।
सदा करोति विद्यार्थी सहनं सुखदुखयोः।
सुख भवतु वा दुःख विद्याभ्यासं करोति सः।
विद्यानाम नरस्य रूपमधिकं प्रच्छन्न गुप्तम् धनम्।
विद्या भोगकारी यशः सुखकारी, विद्या गुरूणां गुरू।।
विद्याबन्धु जन विदेश गमने विद्या परम दैवतम्।
विद्या राजसु पूज्यते न हि धनम् विद्या विहीनः पशुः।

काजल, बी.ए., द्वितीय वर्ष



"जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी"
मातृभूमि जन्मतः आरभ्य मृत्युपर्यन्तम्
आस्माकं रक्षणं पोषणं च करोति।
माता भूमिः पुत्रोअहं पृथित्वा इति
वेदवाक्यम् अस्ति। मातृभूमिः सर्वै नरैः वन्दनीया भवति।
येन-केन प्रकारेण मातृभूमेः रक्षण करणीयम्

पलक रीखटा, बी.ए., प्रथम वर्ष

पर्यावरणम्

स्वस्थं पर्यावरणम् अस्माकम् स्वस्थजीवनस्य आधारः अस्ति। यथा निर्मलं कीटाणुरहितं जलं वायुः च अस्मभ्यं स्वस्थजीवनं प्रयच्छतः। सम्प्रति वैज्ञानिके 'युगे उद्योगानां विकासात् पर्यावरणस्य महती समस्या उत्पन्ना। औद्योगिक संस्थानेभ्य निर्गतं दूषितं जलं निर्गत्य परिवेषं दूषयति येन बहुविधाः रोगाः जायन्ते। इदमेव दूषितं जलं नदीं प्राप्य तत्रत्यं जलमपि दूषयति। एतेनैव कारणेन पवित्रतमायाः गंगायाः जलमपि बहुशः प्रदूषितं जातम्। गंगाजल प्रदूषणमुक्तं कर्तुं राष्ट्रिया योजना निर्मिता तदनुरूपः प्रयासः च प्रवर्तते।

एवमेव औद्योगिक संस्थानेभ्यः निर्गतेन दूषितेन वायुना वायुमण्डलं दूषितं। तत्परिवेशस्य जनान् च विविध रोगप्रदानेन भृशं पीडयति। जनसंख्यायाः तीव्रविकासेन महानगरेषु जलवायवोः प्रदूषणस्यः भीषणा समस्या उपस्थिता अस्ति। एतदर्थं शासनेन प्रभाविनः प्रवासाः विधीयन्ते। अस्माभिः अपि स्वपर्यावरणं शोधयितुं यथासंभव प्रयत्नः करणीयः यतो हि शुद्धे पर्यावरणे एवं वयं सुखेन जीवितं शक्नुमः।



वयं वायुजलमृदाभिः आवृते वातावरणे निवसामः एतदेव वातावरणं पर्यावरण पर्यावरणमेव जीवनं-पर्यायवाचकं प्राप्नुमः। जलं वायुः च जीवने महत्वपूर्णो स्तः। साम्प्रत शुद्ध एव जलस्य समस्या वर्तते। अधुना वायुरपि शुद्ध न अस्ति। एवमेव प्रदूषित पर्यावरेणन विविधाः रोगाः जायन्ते। पर्यावरणस्य रक्षाया अति आवश्यकता वर्तते। प्रदूषणस्य अनेकानि कारणानि सन्ति। औद्योगिकापशिष्ट-पदार्थ-उच्च-ध्वनि, यानधूम्रादयः प्रमुखानि कारणानि सन्ति। पर्यावरणरक्षायै वृक्षाः रोपणीयाः वयं नदी तडागेषु च दूषितं जलं न पतेम्, तैल रहित वाहनानां प्रयोगः करणीयः। जनाः तरूणां रोपणम् अभिरक्षणं च कुरूः कथ्यते।

रंजना, बी.ए. द्वितीय वर्ष

गुरोः महत्वम्

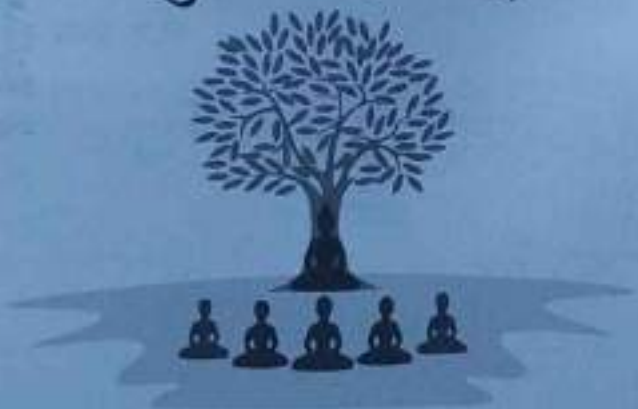

यः ज्ञानं यच्छति शास्त्राणि शिक्षयति च सः शिक्षकः। ऋषिः आचार्यः गुरूः अध्यापकः इति अपि तस्य नामानि। भारतवर्षे प्राचीनकालादेव शिक्षकाय अति महत्व प्रदतं। तस्य स्थान राज्ञः अपि उच्चतरम्। शिक्षक बिना ज्ञानप्राप्ति न सम्भव। कपयः तम् ईश्वरात् अपि श्रेष्ठः मन्यन्ते। अधुना भारतस्य राष्ट्रप्रतिमा श्रेष्ठाः शिक्षकाः पुरस्क्रियन्ते। तस्मै श्री गुरूवे नमः।

सुभाषितानि

कालस्य कुटिला गतिः।
विपत्ति अकेले नही आती।
वीर भोग्य वसुन्धरा।
जिसकी लाकी उसकी भैंस।
यत्ने बिना रत्नं न लभ्यते।
सेवा बिना मेवा नहीं।
विष कुम्भं पयोमुखम्।
तन के उजले मन के काले।
गतो कालो न आयाति।
गया वक्त हाथ नहीं आता।
क्षते क्षारप्रक्षेपः
जले पर नमक छिड़कना।
अतिपर्दे हवा लंका।
घमण्डी का सिर नीचा।



साक्षी, बी.ए. प्रथम वर्ष

माँ सरस्वती



माँ सरस्वती विद्याया: ज्ञानस्य च देवी अस्ति। मां सरस्वती शारदे:, हंसवाहिनी:, वीणावादिनी: च नाम्ना अपि ख्याता अस्ति। मां सरस्वती: शरीरे श्वेत वस्त्रं धारयति। मां सरस्वत्या: वामहस्ते वीणा अस्ति। अस्या: कण्ठे रत्नहारा: शोभयन्ति। माँ सरस्वत्या: वाहन: हंस: अस्ति। अस्या हस्ते पुस्तकं ज्ञानस्य प्रतीकमस्ति। माँ श्वेतकमलासने उपविशति। सर्वे छात्रा: विद्यारम्भे माँ सरस्वत्या: नमन्ति। सर्वेषु विद्यालयेषु मां सरस्वत्या: प्रतिमा अस्ति। वयं तां प्रार्थनामहे हे सरस्वती देवी विद्या बुद्धिम् च देहि।

अखिल शर्मा, बी.ए. प्रथम वर्ष

अनुशासनम्



मा कुरू दर्पं मा कुरू गर्वं
मा भवमानी मानय सर्वम।
मा भज दैन्य मा भज शोकं,
मुदितमना भव मोदय लोकम्।
मा वद मिथ्या मा वद व्यर्थं,
न चल कुमार्गे न कुरू अनर्थम्।
याहि अनाथ पालय दीनम्,
लालय जननी जनक विहीनम्।
तनयं पाठय तनयां पाठय,
शिक्षय सुगुणं दुर्गुणं वारय।
कुरू उपकारं कुरू उद्धारम्,
उपनय भारमत्यज उपकारम्।
मा पिब मादक वस्तु अपेयम्,
मा भज दुर्व्यसनं परिहेयम्।
मा नश श्रणमपि व्यर्थं समय,
कुरू सकलं निज कार्यं समयम्।

साक्षी
बी.ए. प्रथम वर्ष

विद्या

विद्या विवादाय धनं मदाय शक्ति:
परेषां परिपीडनाय।
खलस्य साधोर विपरीतमेतद्
ज्ञानाय दानाय च रक्षणाय।।
विद्या ददाति विनयं विनयात्
याति पात्रताम्।।।
पात्रत्वाद्धनमाप्नोति धनाद्धर्मं।
तत: सुखम।।।
कामधेनुगुणा विद्या
ह्ययकाले फलदायिनी।।।
प्रवासे मातृदृशा
विद्या गुप्तं धनं स्मृतम्।
क्षणश: कणशश्चैव
विद्यामर्थं च साधयेत्।।
क्षणत्यागे कुतो विद्या
कणत्यागे कुतो धनम्।।

चन्द प्रकाश, बी.ए. प्रथम वर्ष

विद्याधनम्

विद्या मानव पशो: पृथक करोति।
विद्याया मानव: हितम् च करोति।
विद्या मानवाय विनयम् ददाति।
विद्या एवं जीवने सुखम् प्राप्तुं शक्नुयते।
विनयेन मानव: उच्चपदाय प्राप्त भवति।
पात्रं भूत्वा स: विपुलम धनम् अर्जति।
पात्रं भूत्वा स: विपुलम धनम् अर्जति।
धन अर्जित्वा स: धर्मं अर्जति।
धर्मेण स: सुखं प्राप्नोति
विद्याया मानव: सर्वत्र पूज्यते
विद्या धनम् सर्वेषु धनेषु प्रधानम् अस्ति।

मीनाक्षी
बी.ए. प्रथम वर्ष

भारतस्य वन्दनम्

हे मम प्रियं राष्ट्र भारतम्।
अहं तुभ्यं कोटिशत नमामि।।
उत्तरदिशि मुकुटसम: हिमालय:
तमपि बारं बारं नमामि।।
पावन धरायां देवा: अपि
इच्छन्ति शिशुवत् क्रीडितुं तवांके।।
मृगा: च खगा: च विचरन्ति सर्वत्र,
विचरन्ति मत्स्या: नदिषु समुद्रे।।
दक्षिण दिग्भागे हिमनद पयोदधि:,
प्रक्षालयति तव परिधानम्।
प्राच्यां दिशायां शोभते काननम्
पश्चिमदिशि विधते सोमनाथम्।।
हे मम प्रियं राष्ट्रं भारतम्।
अहं तुभ्यं कोटिशत नमामि।

दीक्षित वर्मा
बी.ए. प्रथम वर्ष

नारी शिक्षा



अस्माकं समाजः न केवल पुरुषाणां, किन्तु [illegible] अस्ति। अतः सुसंस्कृते समाजे पुरुषाणां शिक्षा आवश्यकी अस्ति तथा स्त्रीणामपि। स्त्रीणाम् समाजे स्थान समानरूपेणास्ति समाजस्थस्य द्वे चक्रे स्तः। यथा एकेन चक्रेण रथस्य गतिः असंभवा तथा जीवनस्य गति नारिणां बिना असंभवा। अशिक्षिता नारी संसारथं कथं चालयति। अतः स्त्री शिक्षा अतीवश्यकी।

प्राचीनकालेऽपि स्त्रीशिक्षा अनिवार्या आसीत्। वैदिककाले नार्यः अधिकाशिक्षिताः आसन्। गार्गी मैत्रेयी आद्याः विदुष्यः वेदशास्त्रार्थनिपुणा आसन्। कालिदासस्य पत्नी विद्योत्तमा महती विदुषी आसीत्। आधुनिककाले स्त्रियः शिक्षणमनिवार्यम्। यदि माता सुशिक्षिता भवेत् तर्हि सा स्वपुत्राणां पालनं शिक्षणम् च सुचारूरूपेण कर्तुं शक्नोति।

अद्य एकमपि क्षेत्रं नास्ति, यत्र नार्याः प्रभावं नास्ति। विद्यालयेषु, महाविद्यालयेषु कार्यालयेषु सर्वत्र नार्यः संसदसदस्याः सन्ति। श्रीमती इन्दिरागांधी महोदया अस्माकं देशस्य प्रधानमंत्रीपदम् अलंकृता। श्रीमती सोनिया गांधी महोदया आर्य राजनीत्यां कार्यरता अस्ति।

उचितमिदं कथितं यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रम्यन्ते तत्र देवताः।

प्रिया राज्टा
बी.ए. द्वितीय वर्ष

कोरोना ददाति संकटम्।

रक्षन्तु स्वजीवनम्



कोरोना वायरसः एकः विश्वव्यापी संक्रामक रोगः अस्ति। अस्य उत्पत्ति चीन देशस्य वुहान नगरात् अभवत्। कोरोना नामक संक्रामक रोगस्य प्रकोपः अति भयावहः अस्ति। विश्वस्य समस्त राष्ट्राः कोरोना नामक संक्रामक रोगेण ग्रसिताः सन्ति। अस्माकं भारतदेशः अपि कोरोना संक्रमणेन ग्रसित अस्ति। कोरोना संक्रामक रोगः मानवेषु श्वासनलिकासु संक्रमणम् कुर्वति। विश्व स्वास्थ्य सङ्घटनेन अस्य संक्रामक रोगस्य नाम कोविद् दतम्। वर्तमाने कोरोना संक्रामक रोगस्य निवेशनं (वैक्सीन) सर्वत्र उपलब्धः अस्ति। भारत देशः अपि कोरोना संक्रमणात् सुरक्षार्थं रोगद्रव्य-निवशनं उपलब्धं। परन्तु कोरोना रोगात् सुरक्षा एवं अति उत्तमम् उपाय अस्ति।

कोरोना संक्रमणात् सुरक्षार्थे ग्रहे तिष्ठम् अति उत्तमम अस्ति। सर्वदा द्विजस्य सामाजिक अंतरं मुखसंरक्षक आवरणम् प्रयोगं च अतिवार्यम्। वयं पुनः पुनः स्व हस्तं मुखं च फेनिलेन प्रक्षायेत्। कोरोना संक्रामक रोगात् मुक्तः जनाः सहयोग अति आवश्यकः अस्ति।

हमलता, कला संकाय, द्वितीय वर्ष

संस्कृत भाषा



देव भाषा वेदभाषा च भवति संस्कृतं। सम्यक् कृतं इति संस्कृत। इयं भाषा देवभाणी इति कथ्यते। वेदाः रामायणं, महाभारतं, भगवद् गीता इत्यादि ग्रंथाः संस्कृत भाषायां एव विरचतानि। सर्वासु भाषासु अपेक्षया संस्कृत भाषायां अधिकपदानि सन्ति। इयं भाषा वैद्यशास्त्रेष्वति उपयुज्यति। इयं भाषायाः महत्वं विदेशराज्येष्वपि प्रसिद्धं। परन्तु अद्य एतम् भाषायाः स्थिति अत्यन्तं शोचनीय। भारत देशे संस्कृत मातृभाषा इति ज्ञातः जनाः संस्कृत-विषये तत्परः नास्ति। संस्कृत भाषायाः संरक्षणार्थं वयं संस्कृत पठनं प्रचरणं च अवश्यं करणीयम्।

रितिका मिस्टा, बी.ए. प्रथम वर्ष

शान्तिपाठः



ॐ द्यौ शान्तिः अन्तरिक्ष शान्तिः पृथ्वी:। शान्तिः आपः शान्ति रोषधयः शान्ति। वनस्पतयः शान्ति विश्वे देवा शान्ति। ब्रह्मा शांतिः सामा शान्तिरेधी शांति। ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः। ॐ

अंजली कश्यप
बी.ए. प्रथम वर्ष

जिज्ञासा



यदि त्वं जीवितुमिच्छसि किं कर्तव्यम्?
तर्हि जीवनने संघर्षं कुरू।
यदि त्वं त्यक्तुमिच्छसि किं कर्तव्यम्?
तर्हि त्यज दुर्गुणम्
यदि त्वं वक्तुमिच्छसि किं कर्तव्यम्?
तर्हि सत्यं वद।
यदि त्वं किमपि ग्रहीतुमिच्छसि?
तर्हि आशीर्वादं गृहणातु।
यदि त्वं किमपि दातुमिच्छसि?
तर्हि ज्ञानदानं कुरू।
यदि त्वं किमपि कुर्वीमिच्छसि?
तर्हि उद्यमं कुरू।

सचिन, बी.ए. प्रथम वर्ष

दूर दर्शनस्य लाभः नष्टा च



सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

अस्माकम् जीवने दूरदर्शनस्य स्थान अतिमूल्यं भवति। सर्वेषु गृहेषु दूरदर्शनम् अवश्यम् घटकं भवति। यथा अन्न जीवने अनिवार्य घटकं तथा दूरदर्शनः। दूरदर्शनम् गुणाः दोषाः च सन्ति दूरदर्शनम् वार्णाभिः बालान् वृद्धान च विज्ञापयन्ति। अमेरिका देशे संजातम् कार्यमपि तस्मिन क्षणे एवं अस्माके भारतदेशे वर्तमानको द्रष्टुम शक्यते। आधुनिक-काले यत्रकुत्रापि संजाता वार्ता श्रृणुतेव भुवने दूरदर्शनद्वारा प्रयसारयन्ति। पुरातनकाले एवं नासीत्। दूरदर्शनस्य, रियालिटी शो द्वारा कालाकारणा कलाकारिणा च सर्वप्रतिभा वंधयितुं शक्यते। दूरदर्शनं द्वारा गीतामि: श्रोतुम् शक्यते। चलाचित्रं द्रष्टुम शक्यते। महात्मानां जीवनचरित्राणेवा महत्वां च द्रष्टुम् शक्यते।

शीतल कालिया, बी.ए. प्रथम वर्ष

प्रकृतिः

प्रकृतिः माता सर्वेषाम्
बहूनाम् अपि फलानाम्
बहूनाम् अस्ति वृक्षाणाम्
पुष्पाणाम् चापि मानेयम्।
भ्रमराणां, पशूनां,
पक्षिणां च मानास्ति
जनेभ्यः जीवनं सदा
ददाति प्रकृतिः माता।।
अस्ति सा तु मनोहरी
मातृणाम् अपि मनास्ति
प्रकृति माता सर्वेषाम्
नमोऽस्तु ते मात्रे प्रकृत्यै।।

मुस्कान शर्मा
बी.ए.द्वितीय वर्ष

वृक्षाः



वृक्षाः जनाः स्वच्छम् वायुः ददाति।
वृक्षाः पर्णैः च शोभन्ते।
अस्य वर्णं हरितः भवति।
वृक्ष कार्बनडाईऑक्साइड ग्रहति ऑक्सीजन नमति।
वृक्षाः प्राणरहिताः जड़पदार्थाः न।
वृक्षाः पादैः पातालः स्पृशयन्ति।
वृक्षाः पादै (मूलः) जलं पिबन्ति।
वृक्षे काकः चटकः श्रमेन च तिष्ठन्ति।
वृक्षेण फलानि विकसन्ति
जनाः वृक्षाणि फलानि भक्षन्ति।
वृक्षाः परोपकाराय फलन्ति।

समीक्षा
बी.ए. द्वितीय वर्ष

हिन्दी विभाग





सम्पादकीय

प्रो. अरूण शर्मा
अध्यापक संपादक

मनुष्य का मस्तिष्क इस धरा का सबसे अधिक अनुपम व अद्वितीय यंत्र है। जिसमें हर समय नए-नए विचारों का प्रवाह चलता रहता है। कुछ विचार मानव जीवन की उच्चता को दर्शाते हैं कुछ निम्नता को, कुछ विशालता को, और कुछ संकीर्णता को। यह मस्तिष्क कुछ समय में ही कहानियाँ, कविताएँ आदि बुन लेता है। परन्तु, मनुष्य की यह कल्पना शक्ति उचित समय पर, उचित अवसर न मिलने के कारण उसी तक सीमित रह जाती है। वह कई सामाजिक, आर्थिक, निजी व राजनीतिक कारणों से अपनी लेखन कला का प्रदर्शन नहीं कर पाता।

इस समस्या के समाधान का प्रयास हमारे महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित की जाने वाली वार्षिक पत्रिका 'पुष्पिताग्रा' द्वारा किया गया। जिसमें सभी विद्यार्थियों को उनकी कलम व मस्तिष्क के एक अनुपम गठबंधन द्वारा उत्पन्न विचारों को सबके समक्ष रखने का अवसर प्रदान किया गया है।

इस पत्रिका के हिन्दी अनुभाग का सम्पादन कार्य स्वीकार करते हुए मुझे अत्यन्त हर्ष अनुभव हो रहा है। आशा करता हूँ कि मैं उस पर खरा उतर पाया हूँ। जिन विद्यार्थियों ने इस संकलन कार्य को सफल बनाने में सहयोग दिया है मैं उनका धन्यवादी हूँ व आशा करता हूँ कि जो विद्यार्थी किन्ही कारणों से अपने विचार हम तक न पहुँचा पाए इस पत्रिका से प्रेरित होकर भविष्य में प्रयास अवश्य करेंगे।



आकाश कालिया
छात्र सम्पादक

गुरू ज्ञान



गुरू ही हमारे दाता,
गुरू ही हमारी मंजिल।
गुरू ही एक पुस्तक,
जिसे हम पढ़े हर वक्त।
अफसोस, ये कैसा है वर्तमान,
भूले हैं शिष्य गुरू का दिया ज्ञान।
गुरू पुर्णिमा हो जिस दिन,
शिष्य गुरू के पास आए उस दिन।
सिर्फ उस दिन!
सिर्फ उस दिन!

वंशिका मेहता
बी.ए. तृतीय वर्ष

सपनों में रख आस्था



सपनों में रख आस्था कर्म तू किए जा,
त्याग से न डर आलस परित्याग किए जा।
गलती कर न घबरा,
गिरकर फिर हो जा खड़ा
समस्याओं को रास्तों से निकाल दे,
चट्टान भी हो तो ठोकर से उछाल दे।
रख हिम्मत तूफानों से टकराने की,
जरूरत नही है किसी मुसीबत से घबराने की।
जो पाना है बस उसकी एक पागल की तरह चाहत कर,
करता रह कर्म मगर साथ में खुदा की ईबादत भी कर।
फिर देख किस्मत क्या-क्या रंग दिखलाएगी,
तुझको तेरी मंजिल मिल जाएगी, मंजिल मिल जाएगी।

प्रीति हेटा, बी.ए. तृतीय वर्ष

विद्या का उद्देश्य क्या होना चाहिए

आज का विश्व वैज्ञानिक युग में जी रहा है। विद्या के उद्देश्य प्राप्ति के लक्ष्य व्यवहारिक न होकर प्रायोगिक हो रहे हैं। इससे आधुनिक विश्व पथभ्रष्ट हो रहा है। प्रयोग करते समय वहीं पहुंच जाते हैं जहां से शुरू हुए थे, क्योंकि नीति, सदाचार, सहनशीलता, कर्तव्य आज स्वार्थपरक बन चुका है। इसलिए यह आवश्यक है कि विद्या का उद्देश्य क्या होना चाहिए।

आज की विद्या का उद्देश्य यह होना चाहिए कि आप कितनी भी ऊँची उपाधियाँ, डिग्रीयाँ प्राप्त कर लें, लेकिन दैनिक व्यवहार अच्छा होना चाहिए। कई बार आप दूसरों पर ही दोष डालते हैं, लेकिन आप अपने दोषों को नहीं दबाते। कहा भी गया है-*"बुरा जो देखने में चला, बुरा न मिलया कोए। जो मन खोजा आपनों, मुझसे बुरा न कोए।"* विद्या के गर्व में किसी को अपमानित न करें, विद्या को बांटने का प्रयास करें। क्षमता सबसे बड़ा हथियार है। दूसरों को हानि पहुंचाना राक्षसी है। अन्त में यही कहूँगी कि आपकी विद्या का उपयोग छल, कपट, चालाकी से धनोपार्जन के लिए नहीं होना चाहिए बल्कि हर एक दिशा में परहित के लिए तथा दूसरों की सेवा के लिए हो।

साक्षी शर्मा
बी.ए. प्रथम वर्ष

हकीकत ए दुनिया



सुनने की आदत डालो,
क्योंकि ताने मारने वालों की कमी नहीं है।
मुस्कराने की आदत डालो,
क्योंकि रूलाने वालो की कमी नहीं है।
ऊपर उठने की आदत डालो,
क्योंकि टाँग खोचने वालो की कमी नहीं है।
प्रोत्साहित करने की आदत डालो,
क्योंकि हतोत्साहित करने वालो की कमी नही है।
सच्चा व्यक्ति न तो नास्तिक होता है, न ही आस्तिक होता है।
सच्चा व्यक्ति हर समय वास्तविक होता है।
छोटी-छोटी बातें दिल में रखने से बड़े-बड़े रिश्ते कमजोर हो जाते हैं
कभी पीठ पीछे आपकी बात चले तो घबराना मत,
बात तो उन्हीं की होती है जिनमे कोई बात होती है।
निंदा उसी की होती है जो जिंदा है,
मरने के बाद तो सिर्फ तारीफ होती है।

मीनू, बी.ए. तृतीय



सपनों की उड़ान

तू कुछ कर अलग, तू कुछ बन अलग,
तभी तो नाम कमाएगा।
सपनों का है यहाँ ऊँचा आसमान,
तू कुछ सोच अलग इस दुनिया से,
भरनी है तुझको लंबी उड़ान,
तभी तू ऊँचा बन पाएगा।
माना राहों पर आएंगी मुश्किलें हजार,
तू संघर्ष कर, तू आगे बढ़,
तभी तो सपना साकार कर पाएगा।
तू कुछ कर अलग, तू कुछ बन अलग,
तभी तो नाम कमाएगा।
पंख होंगे तेरे भी मजबूत,
जब तू सपनों में साहस भर पाएगा,
तू गिर, तू हजार बार गिर, फिर से उठ खड़ा हो,
तभी तो सपनों में उड़ान भर पाएगा।
तू संघर्ष कर, तू आगे बढ़,
तभी तो नाम कमाएगा।
तू कुछ कर अलग, तू कुछ बन अलग,
तभी तो नाम कमाएगा।

रचना, बी.ए. तृतीय वर्ष

कुछ अनोखा

जो चल पड़ा, वह पहुंच गया,
जो रुका रहा,
वह पिछड़ गया।
कदम-कदम आगे बढ़ो,
एक-एक सीढ़ी ऊपर चढ़ो।
अपना एक लक्ष्य बनाओ,
उधर निरंतर बढ़ते जाओ।
आलस छोड़ो, साहस जुटाओ,
कुछ अनोखा करके दिखाओ।।

वंशिका मैहता
बी.ए. तृतीय वर्ष



पिता (पापा)

पिता रोटी है, कपड़ा है, मकान है।
पिता नन्हें से परिंदे का बड़ा आसमान है।।
पिता है तो घर में प्रतिपल राग है।
पिता से मां की चूड़ी, बिंदी और सुहाग है।।
पिता है तो बच्चों के सारे सपने हैं।
पिता है तो बाजार के सब खिलौने अपने है।।
दुनिया की भीड़ में सबसे करीब जो है।
मेरे पिता, मेरे खुदा, मेरी तकदीर वो है।।
मुझे रख दिया छांव में खुद जलते रहे धूप में।
मैंने देखा है एक ऐसा फरिश्ता अपने पिता के रूप में।।
पिता के बिना जिंदगी वीरान होती है।
तन्हा सफर में हर राह सुनसान होती है।
जिंदगी में पिता का होना जरूरी है।
पिता के साथ से तो हर राह आसान होती है।।
इस मतलब भरी दुनिया में वो
बेमतलब की कविताओं का सार है।
पिता इस छोटी सी दुनिया में
बच्चों का अनंत संसार है।।

विनोद मेहता
बी.ए. प्रथम वर्ष

जीवन यात्रा

पूछा जो मैंने एक दिन खुदा से,
अंदर मेरे ये कैसा शोर है?
हँसा मुझ पर फिर बोला,
चाहतें तेरी कुछ और थी,
पर तेरा रास्ता कुछ और है।
रूह को संभालना था तुझे,
पर सूरत संवारने पर तेरा जोर है।
खुला आसमान, चांद, तारे चाहत हैं तेरी,
पर बन्द दीवारों को सताने पर तेरा जोर है।
सपने देखता है खुली फिजाओं के,
पर बड़े शहरों में बसने की कोशिश पुरजोर है।...

अंजली शर्मा
बी.ए. तृतीय वर्ष

विश्वास करो कर्म में

मैं निर्धनता हूँ।
तुम मुझे मिटाना चाहते हो,
या कुछ करके दिखाना चाहते हो,
पर मुझे प्रिय हो-
मैं तुम्हें प्रेम करती हूँ।
इसीलिए फटे-पुराने कपड़े पहनते हो,
फैलाकर हाथ बाबूजी बाबूजी करते हो।
मैं तुम्हारा नसीब हूँ,
इसीलिए तुम्हारे करीब हूँ।
लेकिन तुम चाहो तो कीचड़ में कमल खिला सकते हो,
धरती आकाश मिला सकते हो।
मुझको समझो, श्रम को अपनाओ।
मैं तुम्हारी पाठशाला हूँ।
पढ़कर विश्वास करो कर्म में,
इस दुनिया से अज्ञान के साथ मुझे भी मिटा दो।
देखो विश्वास बुला रहा है,
उगता सूरज तुम्हें राह दिखा रहा है।।

किरण
बी.ए. तृतीय वर्ष

कभी निराश न होना

जिन्दगी से तुम कभी निराश न होना,
मुसीबत देखकर तुम साहस न खोना।।
गमों को देखकर कभी न घबराना।
उसे भी खुशी समझकर गले से लगाना।।
हर वक्त नगमें खुशी के गुनगुनाना।
हँसते-हँसते सब दुख सह जाना।।
जरा-जरा सी बात पर तुम न रोना।
जिन्दगी में तुम कभी निराश न होना।।
गमों का सामना तो करना पड़ता है हर इन्सान को।
दिल में बसा कर रखा सदा भगवान को।।
कभी भी काम किस्मत के सहारे न छोड़ना।
सच्चाई से अपना नाता जोड़ना।।
दोस्त चाहे दुश्मन मिले तुम दिल न तोड़ना।
देख दुखी इन्सान से कभी मुख न मोड़ना।।
हाथों से अपने किसी के जीवन में काँटे न बोना,
जिन्दगी में कभी निराश न होना।।
लेकिन, यह तो जिन्दगी का सीधा खरा उसूल है।
हर दिन के बाद रात है, और हर हार के बाद जीत है।।
दिल को कभी तुम गमों के दर्द में न डुबोना।
जिन्दगी से कभी तुम निराश न होना।।

कुमारी उर्मिला
बी.ए. तृतीय वर्ष

घमंड हमेशा हार दिलाता है।



एक मूर्तिकार था जिसकी शोहरत देश-विदेश में थी। वह ऐसी सजीव मूर्तियां बनाता था, जो बिल्कुल असली लगती थी। उसे इस बात का घमंड था। जब मूर्तिकार को लगा कि उसकी मौत नज़दीक है तो उसने यमदूतों को भ्रमित करने के लिए हू-ब-हू अपने जैसी दिखने वाली मूर्तियां बनाई और उनके बीच जाकर बैठ गया। जब यमदूत उसे लेने आया तो पहचान नहीं पाया कि इनमें से असली इंसान कौन है? उसने सोचा कि अगर मूर्तिकार के प्राण न लिए तो सृष्टि का नियम टूटेगा और मूर्तियों को तोड़ा तो कला का अपमान होगा। फिर उसे एक तरकीब सूझी उसने कहा काश! ये मूर्तियां बनाने वाला मिलता तो मैं बताता कि मूर्तियाँ तो सुंदर हैं लेकिन, इनमें कुछ गलतियां है। यह सुनते ही मूर्तिकार का घमंड जाग गया वह उठकर बोला मेरी कला में कोई गलती हो ही नहीं सकती, मैंने जीवनभर मूर्तियां बनाई है। यमदूत ने झट से उसका हाथ पकड़ लिया और बोला बस यही गलती कर गए तुम अपने घमंड में कि बेजान मूर्तियां बोला नहीं करती।

सीख: किसी काम में कितनी ही महारत हासिल हो, लेकिन उसका घमंड उसके महत्व को खत्म कर देता है।

शीतल, बी.ए.तृतीय वर्ष

लक्ष्य

अपना लक्ष्य तू बनाकर तो देख, लक्ष्य की राह पर चलकर तो देख।
काँटो की झाड़ियों से तो निपटना ही पड़ेगा, लेकिन फूलों के बागों को भी तो देख।
फलों को तो सभी मरोड़ लेते है, पर कभी काँटों को भी मरोड़ कर देख।
अपने विचारों को बोलकर तो देख, अपने आँखों को खोलकर तो देख।
न था जिनका कोई लक्ष्य एक वह आज भी दबा रहे है एक्सीलेटर और ब्रेक।
किए गए वादों को निभाकर तो देख, अपने लक्ष्य के लिए मर कर तो देख।
आम और अंगूर को सब खा लेते है, कभी लक्ष्य रूपी फल को चख कर तो देख।
मौज-मस्ती में बिताया है जिन्होंने दिन एक-एक,
वहीं तो आज कर रहे हैं, हंगरों की देख-रेख।
बच्चों को अपने लक्ष्य के प्रति करना है मुझे सचेत।
इसे अपने मन में बिठा और ध्यान से देख,
तभी तो लिखें है मैंने ये प्यारे से लेख।

अंकिता
बी.ए. तृतीय वर्ष

कोशिश कर

कोशिश कर, हल निकलेगा।
आज नहीं तो, कल निकलेगा।।
अर्जुन सा लक्ष्य रख, फिर निशाना लगा।
मरूस्थल से भी फिर जल निकलेगा।।
मेहनत कर, पौधों को पानी दे।
बंजर ज़मीन से भी फिर जल निकलेगा।।
ताकत जुटा, हिम्मत को आग दे।
फौलाद का भी बल निकलेगा।।
सीने में उम्मीदों को जिंदा रख।
समन्दर से भी मीठा पानी निकलेगा।।
कोशिशें जारी रख, कुछ कर गुजरने की।
जो कुछ थमा-थमा है चल निकलेगा।।
कोशिश कर हल निकलेगा।
आज नहीं तो कल निकलेगा।।

पूनम शर्मा, बी.ए.



अवश्य ज़िन्दगी का पड़ाव मिलेगा

जब तक चलेगी ज़िन्दगी की साँसे,
कहीं प्यार कहीं टकराव मिलेगा।
कहीं बनेंगे संबंध अंतर्मन से तो,
कहीं आत्मीयता का अभाव मिलेगा।
कहीं मिलेगी ज़िन्दगी में प्रशंसा तो,
कहीं मिलेगी सच्चे मन से दुआ तो,
कहीं भावनाओं में दुर्भाव मिलेगा।
कहीं बनेंगे पराए रिश्ते भी अपने तो,
कहीं अपनों से ही खिंचाव मिलेगा।
कहीं होगी खुशामदें चेहरे पर तो,
कहीं पीठ पे बुराई का घाव मिलेगा।
तू चलाचल राही अपने कर्मपथ पे,
जैसा तेरा भाव वैसा प्रभाव मिलेगा।
रख स्वभाव में शुद्धता का स्पर्श तू,
अवश्य ज़िन्दगी को पड़ाव मिलेगा।

नितिका शर्मा
बी.ए. तृतीय वर्ष

मित्रता



यह सत्य है कि अनेक लोग हमारे संपर्क में आते है जिनमें से कुछ लोगों के प्रति हम आकर्षित हो जाते हैं और वे भी हमारी ओर आकर्षित हो जाते हैं। फिर आकार लेता है, मित्रता का बंधन। ऐसे मित्रों से ही हम अपने दुखों को विशेष रूप से सांझा करते हैं, अपनी खुशियाँ उनसे बाँटते हैं। वे हमारा मार्गदर्शन करते हैं और बिना किसी स्वार्थ के हमारे लिए त्याग भी करते हैं। मित्रता संवेदनशीलता का मूर्त रूप हैं। अच्छे निष्ठावान मित्र विकट परिस्थितियों में सदैव साथ रहते है। आँधी-तूफान में ये ही सहारे बनते हैं। मित्रता ईश्वर का अनमोल उपहार है। चरित्रवान मित्र का मिलना सौभाग्य है। मित्र हमारे हर परेशानी में हमारा साथ निभाते हैं। हमारे बहुत से मित्र होते हैं किंतु उनमें से एक मित्र ऐसा होता है जो बहुत खास होता है। जीवन में जैसे परिवार जरूरी होता है वैसे मित्र भी जरूरी होता है।

शीतल
बी.ए. तृतीय वर्ष

अगर संगीत न होता



अगर संगीत न होता,
तो यह संसार अधूरा होता,
किसी का शौक न पूरा होता,
कोई खुश न रह पाता,
कोई काम मन से न कर पाता,
ये दुनियाँ बेरंग होती जाती,
सरगम के सुर न छिड़ते,
न ही ढोल मंजीरे बजते,
मन निराशा से भरा रहता,
कोई भी खुश न रह पाता,
अगर संगीत न होता।

सुनिता वर्मा
बी.ए. तृतीय वर्ष

एक झंकार

सुनी मैंने एक झंकार,
तरणी का घन मध्य विहार।
कर्ण मधुर मधुर नभ अवनी,
वो वर्षा बनी प्यारे का सार।
नील नभ पर पर्दे श्याम,
गर्जना मधुर परन्तु सिंह समान।
व्याकुल अवनी आज प्रफुल्लित,
विपिन पशु विहंगम वृंदगान।
बूँदे टपकी उछली रज,
नाचते पौध प्रकृति सज।
पुष्प कुम्हाला रहे थे दिव्य हुए,
प्रफुल्लित करती अनिल, घन गरज।
मानव उर आज उच्छवासित,
सुनी प्रभु आस तो कि नित।
धरा नवीन, नवीन अमृत,
सृजनता गहन अचल कूट विस्तृत।
तरूओं के शीश आज ऊँचे,
किसलय पर तिष्ठित बँदे।
सर्व हर्षित ऊँची खग उड़ान,
आनंदित "आकश" बैठा आँख मूंद।
बाल है ये पयोद नीर,
भूले सर्व हम भूले पीर।
वृक्ष फूल डारल को झुलाती,
बूँदों से सनी ये बाल समीर।
धारा उमंग तटीनी प्रचंड,
सुख कहाँ, कहाँ बने दण्ड।
हे सृष्टा: अब तू ही सब,
विस्तृत कर वहां जनक सुगंध।

आकाश कालि
बी.ए. तृतीय व

शिक्षक



हमारी अज्ञानता की गहराई खंगाल लेते हैं।
हमारी नादानियों को समझ नई चाल देते हैं।।
लाख चाहे कोई उपकार चुका नहीं सकता।
मन में ज्ञान का दीपक जलाकर डाल देते हैं।।
दूसरों का जीवन सरल बना जो खुश रहें।
भगवान उनको ही गुरू की काया में ढाल देते हैं।।
बचपन से माँ बाप और बड़े होकर शिक्षक।
बस यहीं है जो नेकी कर दरिया में डाल देते हैं।।
सही क्या है, गलत क्या है, ये सब बताते हैं आप।
झूठ क्या है, सच क्या है, ये सब समझाते है आप।।
जब सूझता नहीं कुछ भी राहों को सरल बनाते है आप।
जीवन के हर अंधेरे में, रोशनी दिखाते है आप।।
बंद हो जाते हैं जब सारे दरवाजे, नया रास्ता दिखाते है आप
सिर्फ किताबी ज्ञान ही नहीं, जीवन जीना सिखाते हैं आप।।

निवेदिता, बी.ए.तृतीय वर्ष

राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय ठियोग

सब रिक्त है

सब रिक्त है
मेरा मन
कल्पना, जेब, धन
सब रिक्त है
यह शून्यता नहीं
आकाश, विश्वास, मृदु हास
लोक कहीं
रिक्त हृदय
मस्तिष्क प्रलय
रिक्त वही
सब सीमाएं हैं
रिक्तता में अंधेरा
बे-ईमान, जान, शान, प्रमाण
का डेरा
दृग रिक्त हुए
देखे हैं बुद्ध मरते हुए
कारण कौन?
केवल "मैं" और "तुम"
इसी रिक्तता के जो दिखाई न दे
जहां बोल नहीं ध्वनि सुनाई दे
शायद अंधकार जो प्रकाश लगे
आवश्यकता संजय की
चित लिप्त है
सब रिक्त है।

आकाश कालिया
बी.ए. तृतीय वर्ष

समय का महत्व



समय पृथ्वी पर सबसे कीमती वस्तु है। इसको तुलना किसी से भी नहीं की जा सकती हैं। इस संसार में सब कुछ समयपर निर्भर करता है। समय से पहले कुछ भी नहीं होता है। यदि हमारे पास समय नहीं है, तो हमारे पास कुछ भी नहीं है। समय की बर्बादी हमें और हमारे भविष्य को बर्बाद करती है। यह समय ही है, जो हमें धन, समृद्धि और खुशी प्रदान करता है। हमें अपने समय का उपयोग कुछ उपयोगी कामों को करने में करना चाहिए। ताकि, हमें समय समृद्धि दे, न कि नष्ट करे।

जीवन और मृत्यु के बीच में अन्तर के लिए केवल एक ही पल काफी होता है। इस संसार में सबकुछ समय के अनुसार बदलता है, क्योंकि समय से कुछ भी स्वतन्त्र नहीं है। हमें कठिन परिश्रम करने का आनंद लेना चाहिए और कभी भी अपनी अच्छी आदतों को बाद में करने के लिए नहीं टालना चाहिए।

हमें समय के महत्व को समझ कर उसका रचनात्मक ढंग से प्रयोग करना चाहिए, ताकि समय हमें समृद्ध करें न कि नष्ट करें।

सलोनी
बी.ए. तृतीय वर्ष

प्रकृति कुछ पाठ पढ़ाती है



सूर्य की चमक में,
तुम्हारा ताप है।
हवाओं में,
तुम्हारी सांस है।
पंखुड़ी की कोमलता में,
तुम्हारा स्पर्श।
सुगंध में,
तुम्हारी पहचान।

जब जीना होता है तुम्हें
प्रकृति में खड़ी हो जाती हूँ
और आँखे
महसूस करती हैं,
अपने भीतर तुम्हें।
मैं अपनी परछाई में,
देखती हूँ तुम्हें,
परछाई के कागज पर,

लिखती हूँ गहरी परछाई के,
प्रणयजीवी शब्द।
तुम मेरी आँखों के भीतर,
जो प्यार की पृथ्वी रचते हो।
उसे मैं शब्द की प्रकृति में
घटित करती हूँ।

ईशानी कंवर
बी.ए. तृतीय वर्ष

ममता का आँचल

ममता के आँचल मे सींचा है किनारा,
मृदुल जल के दर्पण में मिला है सहारा।
उन्नति पर अग्रसर जो राह डगमगाती थी,
डाँट में दीया जलाकर किया जीवन जगमग सारा।
पक्षियों के पर लगाकर दिया व्योग को स्वर्णिम तारा।
कहता है सूरज से सागर का सवेरा,
तुम हर क्षण ऊर्जा से साथ देना मेरा।
टूटी बिखरी किश्तों में ह्रास होती जिन्दगी,
स्वप्न टूटे ख्वाब छूटे मरणासन्न पड़ी।
आशा की भाषा ने तब दिखाया रास्ता,
आक्रोश को बंजर सतह का प्रेम से नहीं वास्ता।
तब ममता के आँचल से सींख एक किनारा,
और लोचन की लज्जा ने किया एक इशारा।
जीवन का गूढ़ सत्य है।
माँ! तुम्हारा आंचल एक अद्भुत सितारा।

अम्बिका
बी.ए.तृतीय वर्ष



हिन्दी भाषा का भविष्य

हिन्दी नाम लेते ही हिन्दुस्तान का चित्र हमारी आंखों के सामने आ जाता है। हिन्दुस्तान की पहचान और शान का पहला बोध हमें हिन्दी भाषा कराती है। लेकिन, धीरे-धीरे ये पहचान पश्चिमी सभ्यता की ओर आकर्षित होकर धूमिल होती जा रही है। अधिकांश हिन्दुस्तानी अंग्रेजी भाषा को उन्नति का प्रतीक मानने लगे हैं। हिन्दुस्तान में रहकर हिन्दी बोलना उन्हें अपनी शान के खिलाफ लगता है। हम सब हिन्दुस्तानियों का फर्ज है कि हम अपनी राष्ट्रभाषा का दिल से सम्मान करें।

रवीन
बी.ए. तृतीय व

जीवन ने जवाब मांगा था

चलते-चलते जीवन की राह पर, एक मोड़ पर किसी ने रोका
कोई और नहीं, वो मेरी आत्मा थी, जीवन ने जवाब मांगा था।
घूमा फिरा बस सारी उमर तू, कुछ अंदाजा है, तुझको?
जीवन ने जवाब मांगा था।
पांचों इंद्रियों को खुला छोड़कर बस मस्ती ही करता रहा था।
जीवन की परिभाषा क्या है? जीवन ने जवाब मांगा था।
सुधरने के बहुत मौके मिले पर, सभी को तू ठुकराता रहा था।
क्या यह तेरा सत्य है? जीवन ने जवाब मांगा था।
मुख पर जवाब नहीं आया? क्यों मन तेरा मचल रहा है?
अब सिर झुकाए क्यों खड़ा है? जीवन ने जवाब मांगा था।
प्रातः उठकर सारा जीवन, पूजा का क्यों ढोंग रचाया?
राम नाम का सारा महत्व है।
जीवन मे जवाब मांगा था, जीवन एक जुआ नहीं है।
इसे व्यर्थ करने का मुझे क्या हक था?
मनुष्य जीवन इसलिए मिला था क्या?
जीवन ने जवाब मांगा था।
पछताने से नहीं मिलता है कुछ, अनुभवी आत्मीय जनों ने यही
सिखाया था बचपन से, फिर अमल क्यों नहीं उस पर कर
पाया?
जीवन ने जवाब मांगा था।

कीर्ति शर्मा
बी.ए. तृतीय व

माता-पिता

देव मिले धरती पर,
माता पिता के रूप में।
प्रभु सलामत रखना उनको
चाहे कष्ट मिले मुझे भरपूर।।
कितना सहन किया दर्द उन्होंने,
रखा खुशहाल हमें।।
आज अगर वे कर्ज भूले हम,
लानत है जीवनदान हमें।।
उन देवों को दुःख देकर के,
चैन कहां पाएगा?
कितना भी धन अर्जित कर लो,
सुख कभी ना आएगा।।
मेरी दौलत मेरे माँ-बाप है,
इस दौलत पर मुझे गुरूर है।
क्या देव भेजे है धरती पर?
ये देवों के भी देव है।।
आरजू है मेरी प्रभुसे यही,
जन्म-जन्म मिले देव मुझे।
मिले नहीं मुझे जीवन कहीं।।

समीक्षा
बी.ए.तृतीय वर्ष

जीवन में सफलता दिलाते है: अच्छे संस्कार

फूलों में जो स्थान सुगंध का है, भोजन में जो स्थान स्वाद का है, ठीक उसी तरह जीवन में संस्कारों का स्थान है। संस्कार व्यक्ति का पहचान होते हैं। संस्कार मनुष्य की शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक बुद्धि का साधन है। जीवन में यदि संस्कारों का उदय हो तभी मनुष्य का भाग्योदय भी होगा। आज प्रत्येक व्यक्ति जीवन में सफलता प्राप्त करना चाहता है। वह समाज में मान-सम्मान प्रतिष्ठा चाहता है और कड़ी मेहनत करके व्यक्ति जीवन में यह सफलता प्राप्त कर भी लेता है। किन्तु, क्या अच्छी नौकरी प्राप्त कर लेना, धन संपत्ति अर्जित कर लेना, ऊँचा पद प्राप्त कर लेना इसमें सच्ची सफलता है? जीवन में सच्ची सफलता के मायने तो कुछ और ही है। धन संपत्ति तो चोर, आतंकवादी भी प्राप्त कर लेते है। भ्रष्टाचार में लिप्त नेतागण भी जीवन में ऊँचा पद और प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेते हैं। क्या आप इन लोगों को सफल व्यक्ति कहेंगे? जीवन में सच्ची सफलता दिलाते है हमारे अच्छे संस्कार। संस्कारी व्यक्ति जीवन की सभी बाधाओं को सरलता से पार कर लेता है। हर व्यक्ति की सफलता के पीछे सबसे बड़ा हाथ उसके अच्छे संस्कारों का होता है। आत्मसंतोष प्राप्त होता है अच्छे संस्कारों से। जीवन में सफलता मिलती है अच्छे संस्कारों से। अतः अच्छे संस्कारों का होना जीवन में अति अनिवार्य है।

नकिता आजाद
बी.ए. तृतीय वर्ष

मां-पापा की याद में

न जाने कहाँ गए वो हमें छोड़कर
जिन्होंने चलना सिखाया हमें,
अँगुली पकड़कर
रास्ता दिखाया तब,
जब हम खड़े थे चौराहे पर।
याद उनकी छलक उठती है आसूँ बन
नहीं जानती कि ये आँसू
उनके खो जाने पर बहते हैं
या फिर एक स्वार्थ
पहले जैसे नहीं होते अब मेरे दिन
न खुशियाँ न रौनक



कितना बड़ा शून्य
निरा खण्डहर बन गया है घर
मां-पापा के बिना।
काश! कि हम देख पाते
उनकी एक झलक
शायद सच कहते है लोग
इन्सान की कद्र होती है तब
इस दुनिया को छोड़कर
चला जाता है कोई जब।

तनुजा
बी.ए.तृतीय वर्ष

मंजिल की ओर

मेरे मन की क्या ये अवस्था,
उलझनों में उलझाया
भटका राही,
हूँ उद्देश्यहीन,
पता नहीं कहां है रास्ता?
हूँ जीवन की सच्चाई से दूर,
हूँ अज्ञानी, हूँ पिछड़ा,
परेशानियों से घिरा,
सोच में पड़ा,
हो कैसी सुलझी जीवन व्यवस्था?
तुम जानकर भी मुझे नहीं जानते,
तुम पहचानकर भी मुझे नहीं पहचानते,
मैं जानता हूँ
तुम भी दो पल के साथी हो,
मेरे अंतर्मन पर क्या बीत रही?
बिना तुम पर बीते, क्या तुम मानते?
हो रही भोर,
होती आ रही वर्षों से,
लेता था आनंद,
पर अब क्यों नहीं होता मन विभोर?
आती थी आंगन में एक चकोर,
अब क्यों नहीं आ रही?
कहां गई वो?
या गया कोई उसे चोर,
पर है कौन वह चोर?
कहीं वह घमण्डी मन तो नहीं,
जो उसे देख कर भी,
न देखने पर देता है ज़ोर।
है कैसा यह शोर?
जो मच रहा मेरे मन में,
क्या यह चाह कुछ पाने की?
जो तहलका मचा रही मेरे तन में?
या कहीं खुमार दो पल का तो नहीं?
जो घर कर गया है मेरे जहन में।
न न मैं ऐसा न होने दूँगा,
ठाना है ध्येय मैं पूरा कर दम लूँगा,
करूँगा मेहनत दिन-रात,
वक्त-बेवक्त,
दूँगा समय को भी मात,
होगी लक्ष्य से मुलाकात...
वाह! क्या बात!
है नहीं जज्बात,
जो मैं बयां कर सकूँ,
लांघूगा मंजिलें सारी,
मजाल जो मैं थोड़ा भी थकूँ,
आये मुसीबतें, पर मैं न झुकूँ,
आये रूकावटें, पर मैं न रूकूँ।



लक्षित शर्मा
बी.ए.तृतीय वर्ष

संगीत

संगीत ही जीवन है,
संगीत ही गगन है,
संगीत हमारे रूह को छुए,
संगीत से हम खूबसूरत सुर हुए,
तन मन को शांत कर दे,
ऐसे गीत सुनाए जाते है,
सात सुरों के संगम से,
यह संगीत बन जाते हैं,
सुनकर यह संगीत हमें,
कुछ यादें दिल में भर आती है,
जिए हुए पलों को,
फिर से जगाती है,
पूर्ण करें जीवन का गीत,
ऐसी सुरीली दास्ताँ है,
जिसका नाम है संगीत।



कृतिका
बी.ए. द्वितीय वर्ष

जीवन में अच्छे और बुरे लोगों की परख

अच्छे और बुरे लोग...

अक्सर हम कई बार ऐसे लोगों के बीच आ जाते हैं जहाँ हम अच्छे और बुरे लोगों में फर्क नहीं समझ पाते हैं। यह जीवन की सबसे बड़ी विडम्बना है। ऐसे में कुछ बुरे लोग हमें भी अपने जैसा बनाने की कोशिश में रहते हैं और ऐसा करके उन्हें काफी आनंद भी मिलता है। ऐसे लोग न तो खुद आगे बढ़ते हैं और न किसी को आगे बढ़ने देते हैं। अब अच्छे लोगों की क्या खासियत होती है वो जान लेते है। अच्छे लोग आपको आगे बढ़ने की सलाह देने के साथ-साथ आपकी प्रेरणा के स्त्रोत भी बनते हैं। कई लोग अपने जीवन स्तर में काफी सुधार कर चुके होते हैं। अपने साधनों का सही उपयोग कहाँ और कैसे करना है ये वो भली-भाँति समझ सकते हैं। अक्सर कई लोग उन लोगों के बीच बैठना पसंद करते है जो सिर्फ उनकी झूठी तारीफ करते हैं। लेकिन, आप बस एक बार उनसे अपने लिए मदद की उम्मीद करके देखिएगा। आप खुद समझ जायेंगे की वो हमारे हितैषी है या नहीं।

नीम कड़वा जरूर होता है पर ज्यादातर बीमारियों में नीम हकीम है।

कुछ लोग नीम की तरह होते है; लेकिन वो ही आपके सच्चे हितैषी भी होते हैं। ऐसे लोगों से हमेशा आपको फायदा ही मिलता है। क्योंकि, उनको जब आपकी बुराई करनी होती है तो वो आपके पीठ पीछे नहीं बोलेंगे। बल्कि, वो आपके सामने ही आपकी बुराई कर देंगे। उनकी बातें बिलकुल खरी होती है। अब में बुरे लोगों की बाते करूं तो वो नकारात्मक पहलुओं को तुरंत पकड़ते हैं और जब हम उनके साथ रहना शुरू करते है तो हमारे अन्दर भी वो ही नकारात्मक भाव पनपने लगते है। हमारी सोच भी उन्हीं के जैसी होने लगती है। क्योंकि, एक-दूसरे में घुलने-मिलने के लिए हमें भी उनके जैसा ही बनना पड़ जाता है। ये मानव की प्रकृति है कि वो नकारात्मकता की ओर जल्दी ही आकर्षित हो जाता है।

जिसका प्रभाव उन्हें जब दिखाई पड़ता है जब कोई उनकी आशाओं को रौंधकर उनसे आगे निकल जाता है। कई बार तो इतनी देर हो चुकी होती है कि मुकाम हाथ से पूरी तरह निकल जाता है। जो लोग मीठा बोलते हैं आपको उनसे सतर्क रहने की जरूरत है। हो सकता है कि वो आपके हितैषी न हो। मैं ये नहीं कहती की सभी लोग एक जैसे ही होते हैं, कुछ लोग आपकी परवाह करने वाले भी होंगे। इसी उम्मीद के साथ की आपको मेरे इस प्रेरणादायक लेख से कुछ सीखने को मिला। जय हिन्द!

लता देवी, बी.ए. तृतीय वर्ष



पहाड़ी विभाग



डॉ. महेन्द्र राठौर
अध्यापक संपादक

सम्पादकीय

'पुष्पिताग्रा' एंजी बोशो री, 'पहाड़ी अनुभाग' दा आप सभी रा स्वागत अस। कोई भी शैक्षणिक संस्थान री पत्रिका तेसरे छात्रों री प्रतिभा सभी रे सामने व्यक्त करने रा माध्यम अ। पर लगातार प्रेरणा तथा लेखन कार्य रा काम सभी रे करने रा नहीं होंदा। तेंई री तेंई कड़ी मेहनत और रोज अभ्यास करना पड़अ। एहींरी तेंई आं पहाड़ी भागअ रे सम्पादक प्रो. महेन्द्र राठौर रा धन्यवाद तथा आभार करूं, जिन्ने मेरी तेंई लगातार मेरा प्रोत्साहन बढ़ाया तथा मुखे सही रास्ता दिखाया।

पहाड़ी बोली हिमाचल री एक सभी रे जानने योग्य बोली असह। संसार दे हर मांछ अपने विचार कोई न कोई भाषा रे जरिये बोलअ। पर आज ए पहाड़ी बोली खत्म ओं लांगीअ। नई पीढ़ी आपणी भाषा दा बोलने री शरम मानोअ, ए त ठीक बात नहीं असऊ। हामोऊ त आपणी भाषे दा बोलने रा गर्व होणा चेंई। ओंह तथा बाकि जिन्हें आपणे लेख लिखेऊ, हामे पहाड़ी रा विस्तार करना चाहूं।

मेरा एजा सौभाग्य असह कि आंह पहाड़ी भागह रे संपादक अस्, तथा सभी रा धन्यवाद जिन्हें लेख लिखे तोंई प्रो. महेन्द्र राठौर जीय रा भी धन्यवाद, जिन्हें आं सम्पादक चुने, न चुने बल्कि आं प्रेरित भी कौ।



कृतिका
छात्रा सम्पादक

हंसणा जरूरी असो:

एक बारी अंग्रेज गांव दा आज, तेनिए एकी पहाड़िए दो अंग्रेजी दो बात कोरे। तेनिए बोलो What are you doing पहाड़िए सोचो कि हां भी अंग्रेजी दो बोलू तेनिए बोलो हां देखिंग एक क्रो काला से बैठिंग इन दा डाल, मैं मारिंग उसको एक शटराला क्रो गिरींग इन दा नाला।

एक बारी एक मांछे कुकरी उल्टी लटकाए ओ तेमां कोरी लाई ओ। दूजे माछ बोलो कि कुकरी री पूजा कैं लोए ओ तो तिने मांछे बोलो की आरा तु नी जाणदा कि Dog उल्टा कोरी तो God लागों।

पायल
बी.ए. अंतिम व

शिमला

शिमला पहाड़ों रो ओसो राणी,
हिमाचलों को ओसों राजधानी।
दूरो-दूरो दो लोग, शिमला देखदे आओ,
शिमला सोबिरे दिलो दो समाओ।
हिंवे ठौका शिमला रा आलग री नजारा
सौभी लोगों रै बौड़ा प्यारा
रिज, माल रौड, औसो, शिमले री जान,
शिमला औसैं मेरे देशो री शान
भगवानौ दौ कौय एही हमेशा फरियाद
तेरा शिमला रोहा चेयौं हमेशा आबाद

सुरेखा चन्देल
बी.ए. अंतिम वर्ष

गुरू री महिमा....

जेसी देशो रे गुरू ओसो महान,
से देश ओसो सोबी देशो दा भाग्यवान।
गुरू रे ज्ञानो रा अमृत बिए ओ,
जेसी देशो रे आदमी होओ जवान,
से देश ओसो सभी देशो दा महान।
गुरूमुखो ज्ञान दैओ महान बणाए सको।
एकी बूंदो तूफान बनाए सोको।
गुरू ज्ञान दैओ खोओ सको मूर्खो री पांखे,
कल्पने रे उड़ान ओसो जिन्दरी पांखे।
गुरू ही तो ओसो सारे संसारे रा धन,
माटी रे पुतले तपाएओ बणाओ गुरू महान।
तोबे तो बोणो अच्छे गुरू री महिला ओसो न्यारे,
गुरू तू महान् ओसो, ऐसी देशो रे जान ओसो।

कृतिका
बी.ए. द्वितीय व

शिमला: ठियोग

शिमला औसो हिमाचौली री शान,
कवि री किया अ, शिमला ठियोग रा गुणगान
सुन्दरा री बजें औसो, शिमला ठियोग रा सम्मान,
एई ओसो मेरे शिमले ठियोग री पहचान
शिमले ठियोग रा नोखा अ नजारा,
जो लागे बादै लोगो ही बड़ा प्यारा,
म्हारे शिमलै ठियोग रा बर्फ रा नजारा
बात ऐसो जाणौ भारतवर्ष म्हारा।
शिमले ठियोग लोग असो बड़े ईमानदार
आपणी मातृ भूमि रा करअ ए बड़ा सम्मान,
ऐसा नजारा औसो बड़ा शानदार

राजीव, बी.ए. द्वितीय वर्ष

शिमला असो बड़ा प्यारा

शिमला पहाड़ो री ओसो रानी हिमाचलों री असो राजधानी। दूरि
दो लोग शिमले देखने आवो शिमला लबी रे दिलादा समाव, ढ
ढका शिमलेरा अलग ही नजारा सबी लागो ए बड़ा प्यारा।
रिज मालरोड़ असो शिमले री जान, शिमला असौ मेरे देश री शा
भगवानो दा करू एही हमेशा फरियाद, मेरा शिमला रोहा चे
हमेशा आबाद दुनिया दा मशहुर असो एक शिमला म्हारा, शिमला
असो बड़ा प्यारा

साहिल
बी.ए. अंतिम व

नशा

एकी बारी पी दोई बारी पी
घड़ी घड़ी बोतल पीणेंके हओ गोओ अपि
नशे जीवन री कर पाई बरबादी
घर, गांव दी इज्जत नलाम ओई
पड़ा गली दा मरने का ओजा तैयार
आवारगर्दी री छोड़ी न बात
न रही शर्म न रहा ध्यान
गिरा समाज दा सम्मान
कैंसर जेइदेई बीमारी दा पाला पड़ा
कुते री मौत मरना पड़ा
नशा दशा दुर्दशा
इंदा फेरा बुरा फशा
नशा छोड़ने री कसम खाओ
आपणा जीवन सफल बणाओ।



दीपिका
बी.ए. द्वितीय वर्ष

म्हारा प्यार शिमला ठियोग

शिमला औसअं हिमाचलअ री शान,
सबिये किया, शिमले ठियोग रा गुणगान
शिमलै ठियोग रा औसअ नौखा नजारा,
जो लागअ सभी के बड़ा प्यारा।
म्हारे, 'शिमलै ठियोगअ' रा औसअ नौखा नजारा,
जो लागअ सभी के बड़ा प्यारा।
म्हारे 'शिमले ठियोगअ' बर्फअ रे नजारे।
बात एजी जाणेअ माछे (आदमी) सारे।
'म्हारे ठियोगअ' दे सेओ (सेब) रे बगीचे,
'शिमले ठियोगअ' मनाई सारे त्यौहार,
हामोरा एजा रिवाज बड़ा शानदार,
इन्हों त्योहारों बणएओ अ सभी रा मनोरंजन,
दूरो-दूरो आए माछ (आदमी) कोरअ आनंद
अपणी सुन्दरता शिमला आफियै दौसअ।
शिमला सारे लोगू रे मन दो बसअ
एरा शानदार 'म्हारे शिमलै ठियोगअ' असअ।

राहुल
बी.ए. द्वितीय वर्ष

मेरै हिमाचलौ रा क्या कहैणा

मेरै हिमाचलौ रा यारो क्या कहैणा
ए तो असौ पूरै भारतो रा गहैणां
शिमला अस हिमाचल री राजधानी
सभी द खुबसूरत ए दुनिए मानी
बारौ जिले रा मुल्क, म्हारे सबीद न्यारा
कड़ौईअ-सोडकू, खाणा इयै रा प्यारा
हिमाचलौ दै अस कई तीर्थ सीान
चिंतपुर्णी, ज्वालामुखी, तौंई शिमलै रा सराण
हिमाचल अस देवभूमि, इथै अ कई देओ
आऊ गोभी री सब्जी तई नाशपति अ सेओ
मण्डी री शिवरात्रि, रामपूर री लवी
हिमाचल रे गुणगान लिखदै, बणै गोए कई कवि।

प्रज्जवल
बी.ए. द्वितीय वर्ष

पहाड़ी भाषा रा घटदा प्रभाव

ऐ बड़ै इ दुखा री बात असौ कि एवै मारे हिमाचल रै माछ पहाड़ी भाषा बोलणे री शर्म मानौ। पहाड़ी भाषा जू मारे ऐकता रा सूत्र अस मांछ एवै भुलदे लागे अ माठे-माठे छोटू इ नैई, बल्कि आजकालौ रे पड़े-लिखे होंदे मांछ बी ऐकै आपणी भाषा बोलणे री शर्म मानो। एवौ माछं सोचो कि हिन्दी तई अंग्रेजी बौलिए तिन पढे-लिखे होंदे मानो। जैरी की पहाड़ी भाषा बोलते त तिनके माछ पिछडे द बोलते। ऐजी तिनरी गलत सोच असो। पहाड़ी भाषा बोलिए माछ माठे नी बन दे। आज मारे देश रे माछ दूजे देश री भाषा तई संस्कृति शिखदे लागे अस्। एवै बादें आमा-बापू आपणे छोटु द हिन्दी तई अंग्रेजी भाषा बोलणी शेकअ। ऐ कोई बुरी बात नेई अस पर पहाड़ी भाषा भी शिखनी चेई। जो कि मारे हिमाचल री शान असो बल्कि मारे पहचान भी असो।

मनीषा
बी.ए. द्वितीय वर्ष

अध्यापक

ऐ संसार औसो कितणा व्यापक
जिदै रह म्हारे अध्यापक
इनौ देऔ सौदा सम्मान
जो देअ हामौ इतणा ज्ञान।
राखौ इनौ सभी द ऊंचे,
करने चैई हनौरे सदा पूजा
फबै भी इनौ ठेस न पहंचाओ
नेई त हाओ पड़ सकौ पचताणा।
अध्यापकौ रे बात हमेशा शुणौ,
बुरा रास्ता न कबै चुनौ,
अध्यापकौ रे बिना अधूरा ज्ञान
अध्यापक देओ हाओ इतना ज्ञानं

अखिल शर्मा
बी.ए. प्रथम वर्ष

पहाड़ी भाषा रा महत्व

म्हारी पहाड़ी भाषा कई प्रकार री असौ। सिरमौरी, किन्नौरी, मण्डयाली
रे कुछ रूप असो पहाड़ी भाषा रे विकास री उन्नति री खातिर हम सभी कै पहा
भाषा बोलनी चेई। पहाड़ी बोली म्हारे हिमाचलों री मातृ भाषा असो।
आदान-प्रदानों रा सबी दे आसान तरीका बेला माए इ प्रकट आई सको। पहाड़ी
रा विकास करवाणे रा एक साधन एक पत्रिका असो। ज़ म्हारी भाषेरा विकास
तबे ही म्हारो गांव रा विकास होणा। सभी माछ आपणी भाषा री कविता, कहाणी
पत्रिका छपवाणी चेंई।

अखिल शर्म
बी.ए. प्रथम व

हामें हिमचली असु गरेट

हामें हिमाचली असु गरेट,
संस्कार रे उ हामें सेठ,
न खांदे तम्बाखू न पींदे सिगरेट,
हामें हिमाचली असु गरेट।
हामें शीगे उठू चाहे लेट,
काम करदे अप टू डेट,
फसल रे हामौक मिलदे रेट।
संस्कृति अस मारी गरेट,
असु गरीब पर दिलों रे उ सेठ,
घूमदें डेउ हामें इंडिया गेट,
हामें हिमाचली असु गरेट।
पहाड़ी इलाका अ स मारे गरेट,
धोकेबाज द हामें करदे हेट,
दुश्मन री हामें करू परेट,
हामें हिमाचली असु गरेट।

आशुतोष शर्मा
बी.ए. प्रथम वर्ष

पहाड़ी कविता माँ-बाप का प्यार

मां बाप का प्यार, दुनिया रा अनमोल तोफा,
मेरे खातिर तिन्हा रे बिना अधुरा रो संसार,
मां रा आंचल कने बाप रा प्यार,
कदी तिन्हा री झिडका कने कदी तिन्हा रा दुलार,
मां देदीं मुश्किलां ने लड़ने री शक्ति,
बचपन बीतेया छावां च कने धुप पावे उस पार,
हर वक्त लगदा जिया गुलशन च बहार,
फिर जवानी चे कठिनाईयां ने किया अहां पर वार,
लड़ खड़ाये पैर मेरे पर संभली गये,
मेरे ले या मां बाप रा प्यार,
मैं येही फरियाद करदी,
ऐ भगवान किसी रे भी मां बाप न हो जुदा,
सारेयां जो नी मिलता मां बाप रा प्यार,
मां बाप रा प्यार
दुनिया रा अनमोल तोफा।

कुल
बी.ए. प्रथम वर्ष

दहेज प्रथा

समझो ए दहेज प्रथा अस एक बुराई
ऐ बुराई पूरी दुनिया दी छाए
दहेजो री तेंई माँ-बाप ऐ आपणी कमाई गंवाई
लौणे पोडो चाहे तिनौ कर्जे
ई मे आपणा फर्जे
पहरी तेंई कइए आपणी जाने गंवाई
कइए बेचो आपणू घर-बार
एई छानको माच्छे छोटी साथे करा बुरा बर्ताव
न करी तुमे एसो आरा, तेंई तो होणा तेंई
तुम रै पाप रा भरपाव
न तौ तुमें हैं दहेज
काजै एईरा परहेज
छोटी समझो तुम समाज री शान
न एइयै होणा सभी रा कल्याण
ए बुराई खत्म औणी त जबै इकट्ठी होएणी
युवा पीढ़ी पूरी।

कृतिका
कला स्नातक द्वितीय वर्ष



जिन्दगी

जिन्दगी जिवणे रा नाम नहीं
जिन्दगी जिवणे के अरमान चेई
जिन्दगी जिवणे के थोडा जिया फरमान चेई
आदमी करो खिलाओ जिन्दगी
प्यारो करो बढाओ जिन्दगी
जिन्दगी के केरे बोलो हामे अफसाने
अफसाने लिखो ए प्यार रे दिवाने
प्यारो माए दिल जलों को जिण बताओ
जिन्दगी दिल द दिलों से मिलाओ ए जिन्दगी
जिन्दगी को बकवास न समझो दोस्तो
कोई के टूटे हुआ लोगा म्हारा दिलाओ ये जिन्दगी।

स्मृति, बी.ए. प्रथम वर्ष



माँ

माँ दुनिए ही सभी द प्यारी
आपणे बेटे री कौरो हमेशा तरफदारी
माँ री अजब लीला न्यारी
दुख दी ऐ सभी री सहारी
माँ री वजह चालो सारा संसार
तिओ री वजह द मिला संस्कार।
माँ री याद आजौ दिन अ रात
बड़े ही ममता आगे ओआ माँ रे हाम।
माँ रे हामे गाए कई अहसान,
सभी अ चार दिनों रे महमान,
माँ री करी हमेशा कदर
सभी द मेरे ऐई फरियाद
माँ द दूजा नहीं कौने इस दुनिया द महान...

शीतल
बी.ए. द्वितीय वर्ष



किताबों रा महत्व

किताबों, ज्ञान, सुचना तई मनोरंजन रा मुख्य साधन अस। कताबों हमारे सोच-विचारो तई हमारी आत्मे दे रोशनी दरबैअ। कताबों हमारी जिंदगी द नीरस्त दूर करो तेंई हामकें ज्ञान भी देय। लोग सोचो की सै टी.वी. तई फिल्मे देखेय ज्यादा ज्ञान प्राप्त कर सका, पर तौनों लोगों री विवेकहीन सोच अस तौनों कताबों द दूर करो। सभी द श्रेष्ठ ज्ञान त कताबों दा माहिर दमाकी लोग रे लिखा द अस। सिर्फ किताबो हो हमारो सच्ची दोस्तो तंई हमारो मार्ग दर्शक अस। कताब हामके पूरी दूनिये रा ज्ञान देओ। बड़े-बड़े वैज्ञानिकों तंई शास्त्रियों रा ज्ञान हामों तैंई कताबें पाओं हि पूजा अ। जे हामे रोज किताब पढ़ने रे आदत अपनाऊ त हामे आपणी जीवन शैली सुधार सकू।

रोज किताबों, पढ़ने री आदतें पाओ हामे चिन्तामुक्त तंई ज्ञानपूर्ण बन सकू। कितबों ही हामकें से ज्ञान दे सका। जू हामों शिक्षित तंई कामयाब इन्सान बाणओणे दी मदत करो। किताबों हि हामों जिंदगी रा सही रास्ता दिखैय।

मीनाक्षी
बी.ए. प्रथम वर्ष

पौढणे लिखणे रै फायदे



शुणौ रे मांछो तूमौ सभो कै बोलूं एक बात,
जिन्दगी दा पौढणै लिखणै रा बेगी औ फायदा जो काम कौर
सौको एक पौढा, लिखा मांछ,
न कौरि सौकि सै अनपढ़ अंगूठा छाप।
जैरि पेड़ पौधे रि तांई जरूरी औ खाद,
तेरै हो देशौ रै विकासौ कै जरूरी औ पौढ़े लिखे मांछ।
पौढ़े लिखै मांछ कौरौ आपणै भविष्य रा निर्माण,
साथै कौरो आपणै मां बापौ रा ओ देशो रा ऊंचा नाम।
तौबे ई बोलू तूमौके जैः-
पौढो लै लिखौ लै तौ बौणे ले नवाब,
नाथौ कौरौ लै आपणि जिन्दगी खराब।

साक्षी, बी.ए. प्रथम वर्ष

पहाड़ी पहेलियां

- हरो भी मन भरो थो नौ लाख मोती जड़ी थी राजा जो के बाग में दुशाला ओढ़े खड़े थी।
- बीमारी नई ओदी तबे थी खाऊ गोली, छोटुअ-बूढ़े तक शुणै मैरी बोली।
- काली औसू पर काग नहीं, लम्बी औसू पर नाग नहीं।
- माठो जे ओ गलास्टू, तिंदू थिऊ बरास्टू।
- सोरे रो गेठडू, झम-झम करअ चारे सनारटी हास हासय पड़।
- आर छलाका पार छलाका, मांजी नाई दो जमदू पाका।

उत्तरः (मक्की), (बन्दूक), (चींटी), (बल्ब), (सूरज), (मक्खन)

शिवांश, बी.ए.प्रथम वर्ष

पहाड़ी मेरा गांव

मेरा गांव अ सबीद प्यारा
लागो मू ए बड़ा न्यारा।।
असो जू गावं रे माझ
तिनो अ एकी दूजे रा सहारा
मेरा गांव बड़ा प्यारा।।
असो जू मेरे गांव रे एकता
ऐका माझ रो तिनो खड़ा-खड़ा देखदा।।
तेतरं माझ करो सबी रा आदर
कबी न किआ होला कसरा अनादर
मेरा गांव बड़ा प्यारा।।
मेरे गांव रे माछ करो खेचो दा काम
जू देओ इनो बड़ा राम।।
खेचो रा काम अ इनो रे शान
न करदे कस परेशान
मेरा गांव बड़ा प्यारा।।
मेरे गांव दी गोरू राखो सारे
जू लागो मू बडे प्यारे।
से गोरू रा ब कर काम
जू देओ तिनो बड़ा आराम
मेरा गांव बड़ा प्यारा।।
मारे गांव दी आओ जबे शादी
आ से एकी साथी बादी।।
शादी दी लागो नाटी,
झुमे सारे बराती।।
हामे ब नाचू राते-राते
मेरा गांव बड़ा प्यारा।।
ज आया था देशो रे करोना
त सभी राथा रोणा धोणा।
ज सभी थे अस्वस्थ
त मारा गांव था मस्त
एतेके पड़ने के धन्यावाद करना चाउ
लिखदे बाद रोटी खाऊ
त सुत जाऊ।
धन्यवाद

बी.ए. प्रथम


SPORTS
inter university Basketball and Kho-Kho championships to be held at Jiwaji University Delhi and CCSU Meerut.
Proud moments for GC Theog and the Department of Physical Education
Aakash
Represent HPU in North zone
Basketball interuniversity held
at Zamia Milia islamia university Delhi

ATHELETIC MEET



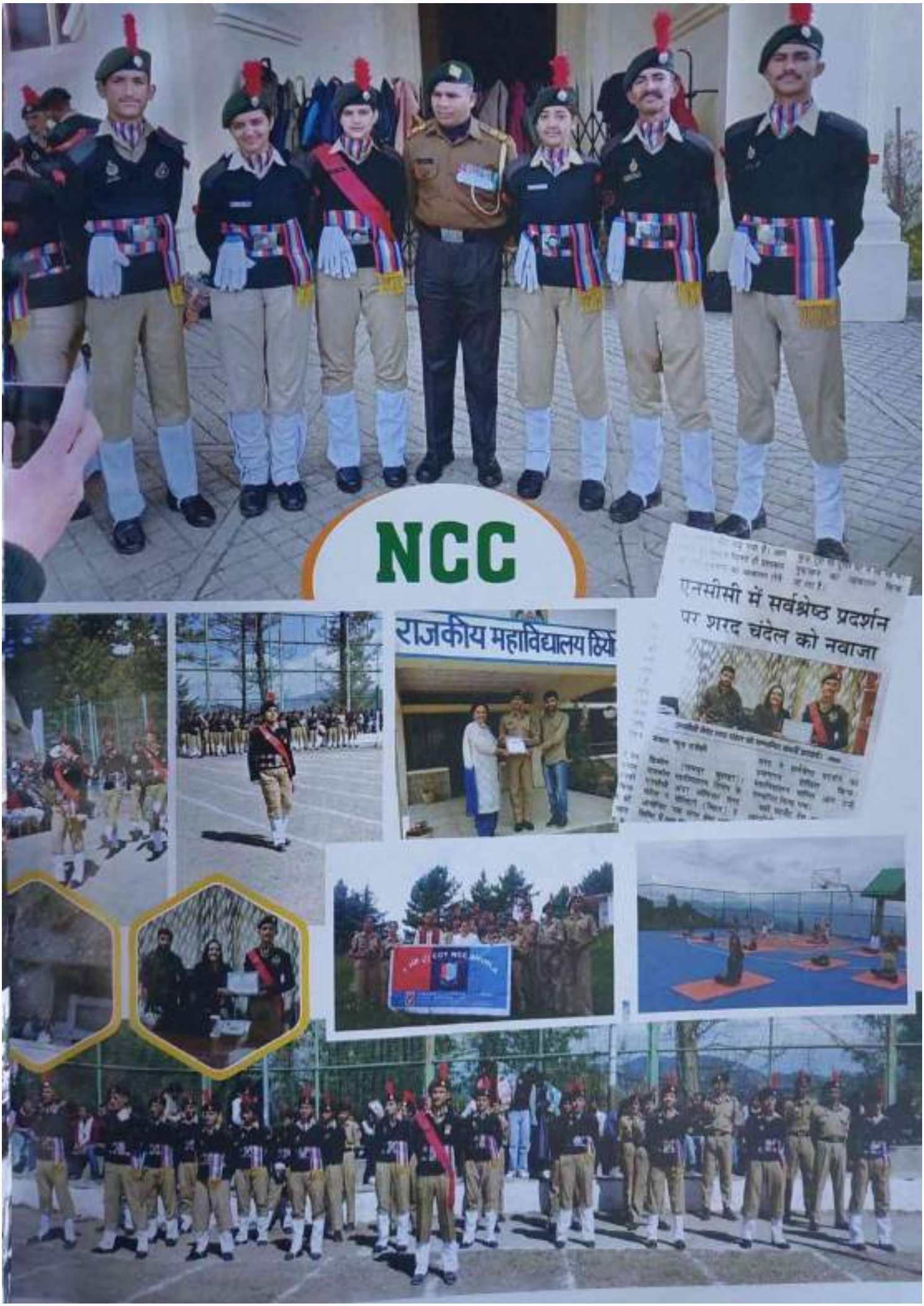
NCC
एनसीसी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन
पर शरद चंदेल को नवाजा
राजकीय महाविद्यालय



SCOUTS AND GUIDES



Red Ribbon Club













Women Day Celebration







Road Safety Club







सड़क सुरक्षा को लेकर ठियोग कॉलेज के सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने निकाली रैली







नारा लेखन में कृतिका और पोस्टर मेकिंग में प्रीति प्रथम



Eco-Club








Co-Curricular Activities
शपथ ग्रहण समारोह

The Celebration of Annual Function



NON-TEACHING STAFF



Sitting from L to R: Smt. Lajja Devi, Smt. Meena Negi, Sh. Virender Kumar, Sh. Sandeep Bhardwaj, Dr. Lalita Chandan (Principal), Dr. Rajesh Dhorta, Ms. Jyoti Sharma, Sh. Pritam Singh & Sh. Naresh Sharma (Librarian).
Standing from L to R: Smt. Radha Devi, Smt. Deepa Devi & Smt. Shakuntala Devi.



Sitting from L to R: Dr. Rakesh Sharma, Dr. Sandhya Sharma, Dr. Rajesh Dhorta, Dr. Lalita Chandan (Principal), Dr. Gopal Chauhan, Prof. Anita Rathour Chauhan & Prof. Bhagwati Charan.

Standing from L to R: Dr. Mohinder Rathour, Dr. Harsh Vardhan Khimta, Prof. Arun Sharma, Prof. Rajesh Kumar, Prof. Mrityunjay Sharma, Prof. Sat Paul Sharma, Dr. Satish Kumar, Dr. Yeshdesh Dulta, Dr. Kalpna Sharma, Dr. Nidhi Dhatwalia, Dr. Saroj Negi, Dr. Aditya Singh Dulta, Dr. Neeraj Sharma, Dr. Jitender Thakur, Dr. Arvind Paul & Dr. Vipan Chauhan.